



दैनिक अवन्तिका

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 40 अंक 66 | इंदौर, मंगलवार 06 अक्टूबर, 2026 | आश्विन कृष्ण 11 संवत् 2083 | पृष्ठ-12 मूल्य-4.00 | www.awantika.com

देश विदेश

मोदी कैबिनेट से हरदीप पुरी, बीएल वर्मा होंगे बाहर

नई दिल्ली। बीजेपी ने राज्यसभा चुनाव को लेकर एक और लिस्ट कर दी है। इस सूची में केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी और बीएल वर्मा का नाम नहीं है। भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने उत्तर प्रदेश में होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए आठ उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में दो महिलाओं के नाम शामिल हैं। बीजेपी ने प्रियंका सिंह रावत और श्रुति गंगवार को टिकट दिया है। हालाँकि, इस लिस्ट में सबसे चौकाने वाली बात यही है कि केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी और बनवारी लाल वर्मा का नाम गायब है।

चिकित्सा क्षेत्र में 3 लोगों को मिला नोबेल पुरस्कार

नई दिल्ली। साल 2026 में चिकित्सा क्षेत्र के लिए नोबेल पुरस्कार तीन वैज्ञानिकों कार्ल डिशेरोथ, पीटर हेग्मेन और जॉर्ज नागेल को दिया गया है। नोबेल प्रेस वक्तव्य के अनुसार इन्हें यह सम्मान प्रकाश-नियंत्रित आयन चैनलों और ऑटोजेनेटिक्स पर उनकी खोजों के लिए दिया गया है। मेडिसिन कमिटी (चिकित्सा समिति) के सचिव थॉमस पर्लेमैन ने सोमवार को इस अवॉर्ड की घोषणा की। नोबेल असेंबली ने स्वीडन के स्टॉकहोम में कैरोलिंस्का इंस्टिट्यूट में इस पुरस्कार की घोषणा की। मेडिसिन में नोबेल पुरस्कार लाइफ साइंस या मेडिसिन में बड़ी खोजों को सम्मान देता है।

रूस में अज्ञात वायरस से लैब कर्मचारी की मौत

कीव। रूस में 28 साल की महिला कर्मचारी की मौत के बाद उसके संपर्क में आए करीब 200 लोगों को मेडिकल निगरानी में रखा गया है। महिला साइबेरिया के एक एंटी-प्लेग रिसर्च इंस्टीट्यूट में काम करती थी। स्थानीय रिपोर्ट के मुताबिक, 25 सितंबर को लैब में काम करते समय उससे जीवित जैविक नमूनों वाली एक टेस्ट ट्यूब टूट गई थी। 29 सितंबर को तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां हालत गंभीर होने पर वेंटिलेटर पर रखा गया। इलाज के दौरान 1 अक्टूबर की रात उसकी मौत हो गई।

सुप्रीम कोर्ट ने राजपाल से कहा

आपकी जगह जेल में



घमंड को सही जगह दिखानी होगी, पता होना चाहिए कब मुंह खोलना है

नई दिल्ली। येक बाउंस के सात मामलों में दोषी एक्टर राजपाल यादव को सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट के आदेश के बावजूद 5 करोड़ नहीं जमा करने पर सोमवार को जस्टिस जय्यामल्य बाग्री नाराज हो गए। उन्होंने कहा, इस घमंड को सही जगह दिखानी होगी। आपको पता होना चाहिए कि कब मुंह खोलना है। आपकी जगह जेल में है। सुप्रीम कोर्ट ने राजपाल यादव को आखिरी मौका देते हुए 6 अक्टूबर तक पैसे जमा करने का आदेश दिया। मामलों की अगली सुनवाई 7 अक्टूबर को होगी। कोर्ट ने इससे पहले 15 सितंबर को भी उन्हें भुगतान के लिए समय दिया था। साथ ही उन्हें सख्त करने से मिली अंतिम राहत 5 अक्टूबर तक बढ़ा दी थी। सुनवाई के दौरान राजपाल यादव की ओर से 50 लाख रुपए के डिमांड ड्राफ्ट की कॉपी पेश की गई। उनके कलील ने बताया, ड्राफ्ट बैंक में प्रोसेस हो रहा है। इस पर बेंच ने कहा, उसे अभी यह भी नहीं पता कि ड्राफ्ट वास्तविक है या नहीं। कोर्ट ने यह भी कहा कि राजपाल यादव को 5 अक्टूबर तक 5 करोड़ रुपए जमा करने का निर्देश दिया गया था, लेकिन उन्होंने इसका पालन नहीं किया।

नैनो न्यूज

- नई दिल्ली :** इंडियन टिकट आज से महंगी, फ्यूल चार्ज बढ़ाया, घरेलू उड़ानों में 1300, इंटरनेशनल में 10 हजार तक ज्यादा देने होंगे, 6 महीने में तीसरी बढ़ोतरी।
- नंदीग्राम :** बीजेपी हावी, रेजीनगर में हुमायूं ने पैच फंसाया, 6 सीटों पर उपचुनाव, तमिलनाडु की दो सीटें सीएम विजय का पहला टेस्ट।
- नई दिल्ली :** सुप्रीम कोर्ट ने कहा- अपराधियों में मौत का डर पैदा करना जरूरी, नहीं तो रेप जैसे अपराध रोकना मुश्किल, अदालत ने रेप की 3 घटनाओं पर खुद नोटिस लिया।
- ब्राजील :** राष्ट्रपति लूला हार सकते हैं चुनाव, ट्रम्प के करीबी पलायिा बोल्लेनारो पहले दौर में आगे, पिता 27 साल जेल की सजा काट रहे।
- वाशिंगटन :** चीन के लिए गारुसी के शक में अमेरिकी महिला गिरफ्तार, ताइवानी राष्ट्रपति के बेटे का वीडियो बनाया, चीन जाते समय एयरपोर्ट पर गिरफ्तार।

31 दिसंबर 2029 के बाद क्या उज्जैन में शराब के डिपो भी बंद होंगे?

अमित शाह के नशामुक्त मध्यप्रदेश के संकल्प के बीच शहर के प्रवेश द्वारों पर खुले शराब डिपो पर उठे सवाल

दैनिक अवन्तिका ► उज्जैन

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने भोपाल में मध्यप्रदेश को 31 दिसंबर 2029 तक नशामुक्त बनाने का लक्ष्य घोषित किया है। उन्होंने कहा कि इस तारीख के बाद प्रदेश में बेटों-बेटियों के लिए नशे की कोई जगह नहीं होगी और लक्ष्य हासिल करने के लिए विस्तृत योजना तैयार की जाएगी।

शाह के इस ऐलान के बाद प्रदेश में नशामुक्ति को लेकर नई बहस शुरू हो गई है। इसी कड़ी में धार्मिक नगरी उज्जैन में शहर की सीमा और प्रमुख प्रवेश मार्गों पर संचालित शराब के बड़े डिपो और दुकानों को लेकर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए शहर का प्रवेश द्वार ही उज्जैन की पहली तस्वीर पेश करता है। ऐसे में धार्मिक नगरी की पहचान और नशामुक्त प्रदेश के संकल्प के बीच इन शराब प्रतिष्ठानों की मौजूदगी चर्चा का विषय बन सकती है।

डिपो का भविष्य क्या होगा ?

अमित शाह की घोषणा में 'नशा' और 'नशीले पदार्थों' से प्रदेश को मुक्त करने की बात कही गई है। उपलब्ध रिपोर्टों में उन्होंने शराब की दुकानों या शराब डिपो को 31 दिसंबर 2029 से बंद करने की कोई अलग समय-सीमा घोषित नहीं की है। इसलिए फिलहाल यह कहना जल्दबाजी होगा कि उक्त तारीख को प्रदेश के सभी शराब डिपो स्वतः बंद हो जाएंगे। लेकिन इस घोषणा के बाद यह सवाल जरूर महत्वपूर्ण हो गया है कि नशामुक्त मध्यप्रदेश की विस्तृत कार्ययोजना में शराब को लेकर सरकार की नीति क्या होगी? क्या शराब की बिक्री पर



1183 दिन बाद शराब डिपो से मिलेगी मुक्ति ?
31 दिसंबर 2029 की नशामुक्ति की डेडलाइन के बीच उज्जैन के धार्मिक क्षेत्रों में उठ रहा सवाल

- केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मध्यप्रदेश को 31 दिसंबर 2029 तक नशामुक्त बनाने का लक्ष्य घोषित किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और गृह विभाग के अधिकारियों के साथ विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने की बात कही है। शाह के अनुसार 31 दिसंबर 2029 के बाद प्रदेश में बेटों-बेटियों के लिए नशे की जगह नहीं होगी।
- इस घोषणा के बाद धार्मिक नगरी उज्जैन में शहर के प्रमुख धार्मिक क्षेत्रों के आसपास संचालित शराब डिपो को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। तपोभूमि और शनि मंदिर के बीच स्थित शराब डिपो के साथ ही बड़नगर रोड पर चंदूखेड़ी के पास स्थित शराब डिपो को लेकर जैन समाज की निगाह अब सरकार की आगामी नशामुक्ति नीति पर है। चंदूखेड़ी में स्थित अभ्युदय मंदिर सहित आसपास का धार्मिक परिवेश इस सवाल को और महत्वपूर्ण बनाता है।

नियंत्रण बढ़ेगा? क्या धार्मिक एवं पर्यटन नगरी के प्रवेश क्षेत्रों में शराब की दुकानों और डिपो



के स्थान को लेकर अलग नीति बनेगी? और क्या आने वाले वर्षों में उज्जैन जैसे धार्मिक

उज्जैन के लिए इसलिए अहम

उज्जैन देश की प्रमुख धार्मिक नगरी है। महाकाल दर्शन के लिए वर्षभर बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां आते हैं। शहर में 2028 के सिंहस्थ की तैयारियां भी चल रही हैं। ऐसे में शहर की पहचान, प्रवेश मार्गों का स्वरूप और श्रद्धालुओं को मिलने वाला पहला संदेश भी महत्वपूर्ण है। 31 दिसंबर 2029 अभी दूर है, लेकिन सरकार ने लक्ष्य की तारीख तय कर दी है। अब निगाह इस बात पर रहेगी कि आने वाले समय में तैयार होने वाली कार्ययोजना में शराब और अन्य नशीले पदार्थों को लेकर क्या प्रावधान किए जाते हैं। यदि नशामुक्ति का संकल्प व्यापक रूप से लागू होता है तो उज्जैन में शहर की सीमा पर खड़े बड़े शराब डिपो के भविष्य पर भी स्वाभाविक रूप से सवाल उठेंगे।

अगले विधानसभा चुनाव के बाद क्या होगा ?

मामला अब आने वाले अगले विधानसभा चुनाव से भी जुड़ता दिखाई दे रहा है। यदि चुनाव के बाद भाजपा की सरकार बनती है और नशामुक्त मध्यप्रदेश के लक्ष्य को आगे बढ़ाते हुए शराब को लेकर भी कोई नई नीति बनाई जाती है, तो उज्जैन के इन डिपो की स्थिति पर फैसला होना महत्वपूर्ण होगा। जैन समाज के लिए सवाल केवल शराब के कारोबार का नहीं, बल्कि धार्मिक स्थलों के आसपास के वातावरण का भी है। तपोभूमि-शनि मंदिर क्षेत्र हो या बड़नगर रोड पर चंदूखेड़ी स्थित अभ्युदय मंदिर के आसपास का क्षेत्र—धार्मिक पहचान वाले इन स्थानों के समीप शराब डिपो की मौजूदगी लंबे समय से चर्चा का विषय बन सकती है।

31 दिसंबर 2029 तक उलटी गिनती

आज से 31 दिसंबर 2029 तक करीब 1183 दिन बाकी हैं। यानी सरकार के पास नशामुक्ति के लक्ष्य को लेकर नीति बनाने और उसे जमीन पर उतारने के लिए पर्याप्त समय है। अब निगाह इस बात पर रहेगी कि आने वाली विस्तृत कार्ययोजना में केवल इंसान और नशीले पदार्थों पर कार्रवाई होती है या शराब को लेकर भी कोई व्यापक नीति सामने आती है।

मप्र में 1 लाख शिक्षक के पद खाली : राहुल गांधी

दैनिक अवन्तिका ► भोपाल

मध्यप्रदेश में शिक्षक भर्ती में पद बढ़ाने की मांग को लेकर अगस्त 46 दिनों से भोपाल में आंदोलन कर रहे हैं। इसी बीच राहुल गांधी ने सीएम मोहन यादव को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि 1 लाख से ज्यादा शिक्षक के पद खाली हैं, लेकिन शिक्षक भर्ती-2025 में वर्ग-3 के 13,089 और वर्ग-2 के 10,800 पद ही निकाले गए। राहुल ने वर्ग-2 में हर विषय के 3 हजार और वर्ग-3 में 25 हजार पद बढ़ाने की मांग की। उन्होंने आंदोलनकारी अभ्यर्थियों के नोटिस वापस लेने और दूसरे चरण की काउंसलिंग जल्द शुरू करने को भी कहा। इससे पहले इंदौर में छात्रों की गूंज कार्यक्रम में इंदौर की दीप्ति सिंह ठाकुर ने राहुल गांधी से कहा था- अभ्यर्थी उल्टियां कर रहे हैं, उनकी हालत गंभीर है, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। इस पर राहुल ने कहा था- अपने आंदोलन में मुझे भी बुलाइए।

मायावती ने आकाश को फिर बसपा में दी जिम्मेदारी

एजेंसी ► लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने आकाश आनंद को फिर पार्टी का राष्ट्रीय संयोजक बनाया है। कुछ दिन पहले आकाश ने सोशल मीडिया के माध्यम से दोबारा पार्टी में काम करने की

इच्छा जताई थी। मायावती ने उनके अनुरोध और पार्टी नेताओं की राय के बाद उन्हें पुरानी जिम्मेदारी सौंपने का फैसला किया।

बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को एक बार फिर पार्टी में सक्रिय भूमिका देने का फैसला किया

है। उन्होंने आकाश आनंद को बीएसपी का राष्ट्रीय संयोजक बनाकर दोबारा पार्टी में काम करने का मौका दिया है। यह फैसला ऐसे समय हुआ है, जब कुछ दिन पहले ही आकाश आनंद ने सोशल मीडिया के जरिए मायावती से दोबारा पार्टी में काम करने का अवसर मांगा था।

ASSOCIATE CHANNEL PARTNER बनें और पाएं

20,000

FIXED INCOME

अगले 12 महीनों तक

केसे ? अभी विजिट करें

405, शगुन टॉवर,
अपना स्वीट्स विजय नगर
चौराहा, इंदौर

Gunjan Shrivastava
Business manager

Mob. 9179280723

Mob. 9179703509



तलाशी अभियान

धमकी की खबर मिलते ही पुलिस की विभिन्न टीमों ने संबंधित सभी स्कूलों में पहुंचकर मोर्चा संभाल लिया। विद्यार्थियों और शिक्षकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए कई स्थानों पर एहतियाती कदम उठाए गए। बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड के साथ सुरक्षा एजेंसियों ने स्कूल परिसरों, कक्षाओं और आसपास के इलाकों में गहन तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। राहत की बात यह है कि प्राथमिक जांच के दौरान किसी भी स्कूल परिसर से कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। धमकी किस माध्यम से भेजी गई— ईमेल, इंटरनेट कॉल या सामान्य संदेश—इसकी पुष्टि के लिए चंडीगढ़ पुलिस की साइबर सेल और तकनीकी शाखा को जांच में लगा दिया गया है।

शामिल हैं। इसके अतिरिक्त पंजाब न्यूनिवर्सिटी परिसर में स्थित अंगुर स्कूल को लेकर भी इसी प्रकार का धमकी भरा संदेश मिलने की सूचना सामने आई है।

रेपो रेट 0.25% बढ़ने से लोन लेना महंगा हो जाएगा

दैनिक अवन्तिका ► नई दिल्ली

आरबीआई की मॉनेटरी पॉलिसी कमिटी की तीन दिन की मीटिंग 5 अक्टूबर से शुरू हो गई है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस बार रिजर्व बैंक रेपो रेट में 0.25% की बढ़ोतरी कर सकता है। अगर ऐसा होता है, तो फरवरी 2023 के बाद रेपो रेट में होने वाली यह पहली बढ़ोतरी होगी, जिससे रेपो रेट 5.25% से बढ़कर 5.50% पर पहुंच जाएगा। इस मीटिंग में लिए गए फैसलों की जानकारी 7 अक्टूबर को आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा देंगे। रिजर्व बैंक ने वर्ष 2025 में 4 बार में रेपो रेट में 1.25% की। इससे रेपो रेट 6.50% से घटकर 5.25% पर आ गई। वहीं 2026 में हुई अब तक चार बैठकों में रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं हुआ है। अक्टूबर की यह बैठक देश के पीक फेस्टिवल सीजन के दौरान हो रही है। इस दौरान ऑटोमोबाइल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और हाउसिंग सेगमेंट में क्रेडिट यानी लोन की मांग ज्यादा रहती है। अगर आरबीआई रेपो रेट में 0.25% की बढ़ोतरी करता है, तो बैंकों की एक्सटर्नल बेंचमार्क लेंडिंग रेट्स तुरंत बढ़ जाएंगी। इससे लोन महंगे हो जाएंगे और मौजूदा होम लोन व ऑटो लोन के ग्राहकों की ईएमआई बढ़ सकती है, जो ल्योहारी सीजन में उपभोक्ता मांग को प्रभावित कर सकती है।

6 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

एजेंसी ► चंडीगढ़

पंजाब और हरियाणा की राजधानी चंडीगढ़ के छह प्रतिष्ठित स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी भरा संदेश मिलने के बाद सोमवार सुबह पूरे शहर में हड़कंप मच गया। पुलिस कंट्रोल रूम को मिले एक अज्ञात संदेश में शहर के अलग-अलग सेक्टरों में स्थित छह शिक्षण संस्थानों को निशाना बनाने की बात कही गई थी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, उच्चाधिकारी और तमाम सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट मोड पर आ गईं और एहतियात के तौर पर सुरक्षा घेरा कड़ा कर दिया गया। कंट्रोल रूम को प्राप्त धमकी भरे संदेश में शहर के कई प्रमुख स्कूलों के नाम शामिल हैं। इनमें एयरफोर्स स्कूल (सेक्टर-31), सेंट सोल्जर इंटरनेशनल स्कूल (सेक्टर-28), डीएवी मॉडल स्कूल (सेक्टर-15), सेंट स्टीफंस स्कूल (सेक्टर-45) और अजित स्कूल (सेक्टर-41 व 45)



ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर का रविवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

खुसूर-फुसूर

स्वास्थ्य महकमें में कुछ गड़बड़

कई बार अंदर पकने वाली खिचड़ी की खुशबू मसाला डालने पर बाहर तक आती है। इसी तरह से ढक्कन खुलने पर ही बदबू का अहसास होता है। ऐसी ही कुछ खिचड़ी स्वास्थ्य के महकमें में पक रही है। अब इसे सब अपने स्तर पर आंक रहे हैं कि बदबू है या फिर खुशबू। वैसे अंदर खाने से सामने आ रही गंध तो बदबू का अहसास ही करवा रही है। हाल ही में जिले के मुखिया अर्द्ध वार्षिक सेवा निवृत्ति पा चुके हैं। नए के नाम की घोषणा विभाग ने कर दी लेकिन उन्होंने प्रभार लेने से व्यक्तिगत कारणों से मना कर दिया है। दस्तावेजी आधार पर तो इसे व्यक्तिगत कारण ही माना जा रहा है लेकिन चर्चाओं में इसे अन्यायिक मुद्दों से जोड़कर बताया जा रहा है। नए जिला प्रभारी जिनके नाम की घोषणा की गई है उनके बारे में बताया जा रहा है कि धर्मनगरी से ही नाता है। इसके बाद उन्होंने मना क्यों किया इस पर सबका ध्यान जाता है। स्वास्थ्य के महकमें बढ़ते अधिकार अतिक्रमण को लेकर चिकित्सक प्रशासनिक पदों से बचने की स्थिति में देखे जा रहे हैं। इसमें राजनैतिक अतिक्रमण एवं प्रशासनिक हस्तक्षेप को लेकर कुछ ज्यादा ही स्थितियों के गड़बड़ाने की बात रखी जा रही है। दबे शब्दों में बात की जाती है और बढ़ते हस्तक्षेप एवं अधिकारों के अतिक्रमित किए जाने की बातों को बराबर किया जाता है। कर्म फल के न्यायप्रिय देवता के दिवस पर चिकित्सकों की शहर के कुछ स्थानों पर बैठक नियमित तौर पर होती है। इसमें भी इस मुद्दे पर अक्सर चर्चाएं सामने आती रही हैं। इन चर्चाओं में हाल ही में सेवानिवृत्त अधिकारी के कार्यकाल के किस्सों का जिक्र भी बराबर सामने आता है। चिकित्सा के पेशे से जुड़े लोगों में खुसूर-फुसूर है कि वैसे तो साहब भी हर तरह से हरफनमौला थे। उन्होंने राजनैतिक हस्तक्षेप के बावजूद अपना समय व्यतीत किया है। यहां तक की उनको कई निर्देश ऐसे व्यक्ति के पालन करने पड़े जिन्होंने मेडिकल कालेज का ठीक से मुंह नहीं देखा और स्वास्थ्य के महकमे और नियम कानून को जानें बगैर ही जयचंदों के सहारे से हस्तक्षेप कर पूरे समय अपने अनुसार संचालित किया। कई मौकों पर उन्हें अपने ही प्रशिक्षित डिप्टी धारी स्टाफ को बैकफुट पर लाना पड़ा और जैसा अतिक्रमणकारी ने कहा करना पड़ा है। महकमें में यह स्थिति सभी को पता है इसके चलते इस जिम्मेदारी के पद को ग्रहण करने की बजाय सभी इससे दूर रहना ही वाजिब समझ रहे हैं।

नैनो न्यूज

- फॉर्टिस गुरुग्राम** ने थैलेसीमिया जन जागृति समिति और डीकेएमएस फाउंडेशन इंडिया के साथ मिलकर उज्जैन में लगाया थैलेसीमिया एवं ब्लड डिसऑर्डर स्क्रीनिंग शिविर
- पितरों के मोक्ष** और जन कल्याण के लिए पंच दिवसीय शिव महापुराण कथा शुरु, पहले दिन बताई रुद्राक्ष की महिमा, जागृति मैरिज गार्डन में हो रहा आयोजन
- झलारिया मठ** में 7 अक्टूबर से होगी शक्ति धाम राष्ट्रीय संगोष्ठी, कालिदास अकादमी में हुई महत्वपूर्ण बैठक, संयोजकों ने की विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा
- 13 साल के आदित्य** ने रची जापानी मांगा राजजिंग ऑफ डेथ, अगली किताब उज्जैन सिंहस्थ पर होगी, 6 महीने में पूरी की 200 पेज की किताब, लुमिस मेथड से बनाए आकर्षक स्केच
- अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष** महोत्सव में पं. जगदीश प्रसाद शर्मा को ज्योतिष भूषण सम्मान, ज्योतिष के क्षेत्र में दीर्घकालीन अध्ययन, शोध एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए भोपाल में हुआ सम्मान
- लोक नाट्य** माच का निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर आज से, मालव लोक कला केंद्र और संस्कृति संचालनालय के सहयोग से आयोजन, वरिष्ठ कलाकार बाबूलाल देवड़ा देंगे प्रशिक्षण
- शोध को मिलेगी नई दिशा**, निर्मला कॉलेज में रिसर्च मेथोडोलॉजी कार्यशाला का भव्य शुभारंभ, अवतिका विश्वविद्यालय और सेंट विसेंट कोलेज पुणे के संयुक्त तत्वावधान में आयोजन, विशेषज्ञों ने बताई शोध की बारीकियां



विकास प्राधिकरण ने किया ब्लू प्रिंट तैयार, अंजाम देने की तैयारी के तहत टेंडर तकनीकी विश्लेषण में

करीब 100 करोड़ रु. से सुविधाओं से संवरेगा भूखी माता मंदिर

दैनिक अवन्तिका ►► उज्जैन

विकास प्राधिकरण ने करीब 100 करोड़ से भूखी माता मंदिर एवं क्षेत्र को विकसित करने का ब्लू प्रिंट तैयार कर लिया है। यहां तमाम श्रद्धालु सुविधाओं को जुटाने के साथ ही सौंदर्यकरण और मंदिर की मजबूती के कामों को अंजाम दिया जाएगा। इसके लिए निविदा खोल दी गई है अभी तकनीकी विश्लेषण जारी है। संभवतः अगले माह से इस पर काम शुरू हो जाएगा।

सिंहस्थ-2028 से पहले उज्जैन की प्राचीन धार्मिक धरोहरों को नया स्वरूप देने की योजना में भूखी माता मंदिर को भी शामिल किया गया है। क्षिप्रा नदी के किनारे स्थित भूखी माता मंदिर परिसर को समग्र सुविधाओं से संवारने के लिए विकास प्राधिकरण उज्जैन करीब 100 करोड़ रुपये की लागत से समग्र विकास करने वाला है।

मंदिर को मजबूती के साथ विकास कार्य- शिप्रा किनारे घाट पर स्थित इस मंदिर का जिक्र विक्रमादित्य की कथाओं में आता है। मंदिर में नदी के अंदर एवं घाट से उपर दो मंदिर हैं। इन मंदिरों में दो देवियों के मुखारविंद है। भूखी माता मंदिर के विकास की उज्जैन विकास

पार्किंग के साथ ही सभी प्रकार की सुविधाओं को क्षेत्र में जुटाएंगे

नया पर्यटन केंद्र बनेगा

प्राधिकरण ने परियोजना की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। इसमें मंदिर की ऐतिहासिक और धार्मिक पहचान को सुरक्षित रखते मंदिर को अधिक मजबूती प्रदान करने के साथ यहां श्रद्धालुओं के लिए आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। परियोजना पूरी होने पर भूखी माता मंदिर क्षेत्र उज्जैन के प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थलों में नई पहचान के रूप में उभरेगा। विकास प्राधिकरण के कार्यपालन यंत्रो कुलदीप रघुवंशी के अनुसार इस कार्य में आवश्यकता होने पर पार्किंग के लिए निजी जमीन का अधिग्रहण भी प्रस्तावित है। यहां श्रद्धालुओं की अपेक्षाकृत सभी प्रकार की सुविधाओं को जुटाया जाएगा।



योजना के अंतर्गत मंदिर परिसर में भव्य कॉरिडोर विकसित किया जाएगा। निर्माण कार्य में स्थानीय और परंपरागत स्थापत्य शैली को प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि विकास के बाद भी मंदिर की प्राचीनता और धार्मिक गरिमा बनी रहे। कॉरिडोर के माध्यम से श्रद्धालुओं की आवाजाही को व्यवस्थित किया जाएगा। पर्व, त्योहार और सिंहस्थ के दौरान भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रवेश एवं निकास व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। मंदिर परिसर

श्रद्धालुओं के लिए बेहतर पार्किंग व्यवस्था होगी

रघुवंशी बताते हैं कि भूखी माता मंदिर पर बड़ी संख्या में आने वाले वाहनों को देखते हुए व्यवस्थित पार्किंग क्षेत्र विकसित किया जाएगा। इससे पर्व के दिनों में मंदिर के आसपास सड़कों पर लगने वाले जाम और अव्यवस्थित पार्किंग की समस्या कम होने की उम्मीद है। इसके लिए आवश्यकता होने पर जमीन अधिग्रहण किया जाएगा। मंदिर परिसर में आकर्षक लैंडस्केपिंग और हरित क्षेत्र तैयार किए जाएंगे। रात के समय पूरे परिसर में पर्याप्त रोशनी के लिए हाईमास्ट लाइट तथा सजावटी प्रकाश व्यवस्था की जाएगी। सुरक्षा के लिए प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। नियंत्रण व्यवस्था के माध्यम से मंदिर परिसर, घाट और पार्किंग क्षेत्र की निगरानी की जा सकेगी। परियोजना केवल मंदिर परिसर तक सीमित नहीं रहेगी। मंदिर तक पहुंचने वाले मार्गों और आसपास की यातायात व्यवस्था को भी बेहतर करने की योजना है। श्रद्धालुओं के प्रवेश, निकास और वाहनों की आवाजाही के लिए अलग-अलग व्यवस्थाएं बनाई जा सकती हैं। इसका उद्देश्य सिंहस्थ के दौरान बड़ी संख्या में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम आवागमन उपलब्ध कराना है। सिंहस्थ पूर्व इस काम को पूर्ण किया जाना है।

यहां आधुनिक जनसुविधा केंद्र बनाने का प्रस्ताव है। यहां श्रद्धालुओं के लिए प्रतीक्षालय, विश्राम स्थल, स्वच्छ पेयजल और शौचालय जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। दिव्यांग श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रैंप और बाधा रहित आवागमन की व्यवस्था भी विकसित होगी। परिसर में सूचना एवं संकेतक बोर्ड लगाए जाएंगे, जिससे बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को विभिन्न सुविधाओं और रास्तों की जानकारी आसानी से मिल सके।

स्वामित्व योजना के साथ अन्य कार्यों की समीक्षा

माकड़ौन तहसील के 21 प्रशिक्षु पटवारियों को शोकाज नोटिस

दैनिक अवन्तिका ►► उज्जैन

स्वामित्व योजना को लेकर पटवारी संघ एवं प्रदेश प्रशासन में पंगा जारी है। पटवारी संघ प्रदेश भर में 50 लाख से अधिक निःशुल्क रजिस्ट्रियों में विक्रेता की भूमिका निर्वहन को तैयार नहीं है। इसी दौर में उज्जैन के माकड़ौन तहसील में 21 प्रशिक्षु पटवारियों को शौकाज नोटिस दे दिया गया है। तहसीलदार अनिरुद्ध मिश्रा का कहना है कि स्वामित्व योजना के साथ अन्य कार्यों की समीक्षा के बाद यह शोकाज नोटिस देकर जवाब मांगा गया है। जवाब के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

स्वामित्व योजना पर शासन एवं पटवारियों के बीच विवाद गहरा गया है। इस बीच प्रशिक्षु पटवारियों पर कार्रवाई का दौर भी शुरू हो गया है। पटवारी संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष कैलाश सिंह राजपूत के अनुसार अभियान के इतने दिन बाद भी पटवारी रजिस्ट्री में विक्रेता बनने को तैयार नहीं है। हमारे संघ के उपेन्द्रसिंह जी एवं अश्विन सैनी से शासन पक्ष की चर्चा में सहमति नहीं बनी है। इसके चलते शासन ने कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रारंभिक स्तर पर इसमें प्रोबेशनर पटवारियों को

सीधे तौर पर निशाना साधा जा रहा है। ये पूरा मामला पंचायतों से जुड़ा हुआ है ऐसे में पंचायतों को भूखंडों की रजिस्ट्री के काम फिर पटवारियों को देने के पीछे का मतव्य समझ से परे है। ये आबादी से जुड़ा मसला है।

स्वामित्व योजना का मामला खटाई में पढ़ने की स्थिति को लेकर जिलों में कलेक्टरों को इनकार करने वालों को बर्खास्त करने के लिए फ्री हैंड दे दिया गया है। अब पटवारी संघ ने भी स्पष्ट कर दिया है कि यदि पटवारियों को बर्खास्त किया गया तो वे सामान्य कामकाज भी बंद कर देंगे निःशुल्क रजिस्ट्री शुरू करने से पहले राजस्व विभाग ने अगर मालवा, हरवा, बड़वानी, अशोकनगर और रायसेन में पायलट प्रोजेक्ट चलाया था। इसी दौरान पटवारियों की आपत्तियां सामने आ गई थीं।

स्वामित्व योजना के सभी कामों से पटवारी संघ अलग रहेगा। रजिस्ट्री भी नहीं करेगा। वीते दिनों संघ की बैठक में इसका निर्णय लिया गया है। योजना से संबंधित कोई भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष कार्य आगामी निर्देश तक नहीं किया जाएगा। सोशल मीडिया पर भी अभियान चलाएंगे।

तैराक दल ने चलाया सफाई अभियान, शिप्रा में विसर्जित मूर्तियां बाहर निकालीं

दैनिक अवन्तिका ►► उज्जैन

मां शिप्रा तैराक दल सामाजिक एवं सांस्कृतिक कल्याण समिति द्वारा रामघाट पर लंबे समय से निःस्वार्थ भाव से सेवाएं दी जा रही हैं। इसी क्रम में गणेश विसर्जन के बाद शिप्रा नदी में स्वच्छता अभियान चलाया गया। तैराक दल एवं नगर निगम के सहयोग से रामघाट क्षेत्र में नदी की सफाई की गई तथा विसर्जित गणेश प्रतिमाओं को पानी से बाहर निकाला गया।



अभियान के दौरान नदी में मौजूद मूर्तियों एवं अन्य सामग्री को बाहर निकालकर निर्धारित स्थान पर पहुंचाया गया, ताकि शिप्रा नदी को स्वच्छ एवं प्रदूषणमुक्त रखा जा सके। तैराक दल के सदस्यों ने नदी

में उतरकर सफाई कार्य में सक्रिय भागीदारी की। इस अवसर पर मां शिप्रा तैराक दल सामाजिक एवं सांस्कृतिक कल्याण समिति के सचिव संतोष सोलंकी सहित तैराक दल के सदस्यों और नगर निगम

बुधवारिया हाट बाजार में बनेगा सुव्यवस्थित हॉकर्स जोन

दैनिक अवन्तिका ►► उज्जैन

शहर के फुटकर विक्रेताओं, हाथ टेला व्यापारियों एवं छोटे व्यापारियों को व्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा वार्ड क्रमांक 16 स्थित बुधवारिया हाट बाजार में सुव्यवस्थित हॉकर्स जोन विकसित किया जाएगा। महापौर मुकेश टटवाल की परिकल्पना के अनुसार यहां लगभग 70 लाख रुपये से अधिक की लागत से शोड निर्माण का कार्य किया जाएगा। महापौर मुकेश टटवाल ने रविवार को बुधवारिया हाट बाजार

पहुंचकर प्रस्तावित हॉकर्स जोन स्थल का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहर में बड़ी संख्या में फुटकर विक्रेता एवं हाथ टेला व्यापारी छोटे स्तर पर व्यवसाय करते हैं। कई बार पर्याप्त एवं व्यवस्थित स्थान नहीं होने के कारण उन्हें व्यापार करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ऐसे सभी छोटे व्यापारियों को एक स्थान पर सुव्यवस्थित सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हॉकर्स जोन का निर्माण किया जा रहा है।

प्रदेश सरकार टेकरी के राज को खोलने के लिए आतुर

वैश्य टेकरी का सर्वे करने पहुंचा दल, मशीन से जमीन के अंदर झांका

दैनिक अवन्तिका ►► उज्जैन

वैश्य टेकरी के अंदर दफन राज को खोलने के लिए मध्यप्रदेश सरकार आतुर है। 1940 के दशक में यहां हुए हादसे के बाद से खुदाई का काम बंद कर दिया गया था। तब से ही यहां किसी प्रकार का कोई जांच सर्वे नहीं किया गया था। यहां सर्वे के लिए शुक्रवार को टीम पहुंची थी। टीम ने जमीन के अंदर की मशीन से स्केनिंग की है। इसके लिए टेकरी पर उग आई बड़ी घास की भी सफाई जारी है।

वैश्य टेकरी यह पूरा क्षेत्र केंद्रीय पुरातत्व संरक्षण में है। एक बार फिर से यहां सर्वे के काम की शुरुआत हुई है। केंद्रीय पुरातत्व के अधिन मध्यप्रदेश पुरातत्व विभाग एवं मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान की मिली-जुली टीम ने मध्यप्रदेश के अतिरिक्त मुख्य सचिव की पहल पर सर्वे के काम की शुरुआत यहां की है। उज्जैन बुद्धि सौसायटी के अध्यक्ष हरिबाबू कटारिया के अनुसार वे टेकरी पर अक्सर जाते आते रहते हैं। इसके चलते उन्हें सर्वे की जानकारी लगी थी। शुक्रवार को दल के

केंद्रीय-प्रदेश के पुरातत्व विभाग दल और मेनित की टीम सर्वे के लिए पहुंची



वैश्य टेकरी एक सामान्य जानकारी

उज्जैन शहर में कानीपुरा-तराना मार्ग पर स्थित है। यहां आसपास ही दो टेकरी है। यह एक विशाल प्राचीन बौद्ध स्तूप है। इसकी ऊंचाई लगभग 100 फीट और व्यास लगभग 350 फीट है। ये सांची के स्तूप से भी बड़ा बताया जाता है। यह एएसआई द्वारा संरक्षित राष्ट्रीय स्मारक है। कथानकों के अनुसार सम्राट अशोक के पिता बिंदुसार ने उन्हें उज्जैन का राज्यपाल बनाया था। पाटलिपुत्र से उज्जैन आते समय रास्ते में विदिशा (तब वेदिशा) में अशोक एक व्यापारी (वैश्य/वाणिक) परिवार में रुके और उनकी पुत्री देवी से विवाह किया। देवी शाक्य वंश से थीं। बाद में अशोक देवी को उज्जैन ले आए। यहीं उनके दो बच्चे महेंद्र और संघमित्रा हुए, जो आगे चलकर श्रीलंका में बौद्ध धर्म के प्रचारक बने। माना जाता है कि पत्नी देवी के लिए पूजा स्थल के रूप में और बाद में उनकी याद में अशोक ने इस स्तूप का निर्माण करवाया, इसलिए इसे वैश्य टेकरी कहा गया। कुछ विद्वान इसे वैश्या टेकरी भी लिखते हैं और 1992 के सरकारी भू-अभिलेख में भी यही नाम दर्ज है।

आधा दर्जन से अधिक सदस्य टेकरी पर पहुंचे थे उनके पास स्केनिंग मशीन थी। इस

मशीन को टेकरी के दो-तीन स्थानों पर लगाकर जमीन के अंदर की स्केनिंग की गई

टीम ने की जमीन के अंदर की स्केनिंग

इधर मध्यप्रदेश एएसआई के अधिकृत सूत्रों के अनुसार केंद्रीय एवं मध्यप्रदेश पुरातत्व के साथ मेनित के सदस्य भी दल में शामिल थे। टेकरी के अंदर की संरचना जानने के लिए मशीन का उपयोग करते हुए उससे स्केनिंग की गई है। मशीन में आई पिक्चरों को देखकर दल आगे की स्थिति और कार्रवाई को लेकर अपनी तैयारी करेगा।



अंग्रेज शासन काल में स्टेट ने करवाई थी खुदाई

1937-38 में ग्वालियर स्टेट के पुरातत्वविद एम. बी. गर्द ने यहां पहली खुदाई करवाई थी। खुदाई में मौर्यकालीन पात्र, मुद्राएं (पंचमार्क सिक्के), बड़ी ईंटें मिलीं। अंदर से गैस रिसाव होने से खुदाई रोकनी पड़ी, जो आज तक पूरी नहीं हुई है। यह भारत, श्रीलंका, चीन, जापान, कंबोडिया के बौद्ध अनुयायियों के लिए आस्था का केंद्र है। यहाँ हर साल बौद्ध महात्सूप महोत्सव मनाया जाता है।

सरकार की बौद्ध पर्यटन केंद्र की योजना

अभी अगस्त 2026 में सरकार और केंद्रीय पुरातत्व सह मध्यप्रदेश पुरातत्व ने इसे फिर से वैज्ञानिक तरीके से खोदने और पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की योजना बनाई है।

है। टेकरी पर उग आई बड़ी घांस की भी कटाई करवाई जा रही है।



दैनिक अवन्तिका

न्यूज़ ब्रीफ

अक्टूबर की शुरुआत में मौसम ने बदली चाल, रातें ठंडी, दिन में तपन

भोपाल। मानसून का दौर खत्म होते ही मौसम ने करवट ले ली है। अक्टूबर की शुरुआत में प्रदेश में दिन और रात के तापमान में बड़ा अंतर देखने को मिल रहा है। रातें ठंडी हो रही हैं, जबकि दिन में तेज धूप के कारण गर्मी का अहसास बढ़ गया है। भोपाल, इंदौर और उज्जैन समेत कई शहरों में न्यूनतम तापमान 20 डिग्री से नीचे रिकॉर्ड हुआ है। बीती रात अमरकंटक में पारा 17.1 डिग्री, राजापुर में 17.3, धार में 17.5, इंदौर और पचमढ़ी में 17.6 तथा भोपाल और उज्जैन में 18 डिग्री दर्ज हुआ। दूसरी ओर, दिन में बढ़वनी, धार, उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम में तापमान 35 डिग्री के पार पहुंच रहा है।

हेलमेट नहीं पहनने वालों पर कार्रवाई, 600 का चालान

उज्जैन। बिना हेलमेट पहनकर वाहन चलाने और नंबर प्लेट को छिपाने या उसके नंबरों को अस्पष्ट करने की कोशिश अब वाहन चालकों को भारी पड़ रही है। यातायात पुलिस ने 4 दिन में ऐसे 600 लोगों पर कार्रवाई की है। यातायात थानाप्रभारी श्री तिवारी ने बताया कि चैकिंग के दौरान टेप लगाकर नंबर छिपाने, नंबर प्लेट को साइड से मोड़ने वाले वाहन चालकों सहित बेर हेलमेट के वाहन चलाने वालों की धरपकड़ की गई। यातायात पुलिस की कार्रवाई में ऐसे कई वाहन सामने आ रहे हैं, जिनमें नंबर प्लेट को जानबूझकर डस तरह लगाया या मोड़ा गया है कि कैमरे अथवा पुलिस की नजर से नंबर स्पष्ट न आ सके। पुलिस ऐसे वाहनों को रोककर नंबर प्लेट दुरुस्त कराने के साथ चालान भी कर रही है। ऐसे कई दो पहिया वाहन और रिक्षा पुलिस ने पकड़े जिनके नंबरों से छेड़छाड़ की गई थी और उनसे जुर्माना वसूला गया।

दीपावली-छठ पर रेल यात्रियों को राहत, चलेगी पूजा स्पेशल

भोपाल। दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ पर्व के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने प्रयागराज से हडपसर के बीच पूजा स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। इस ट्रेन का लाभ बीना, रानी कमलापति और इटारसी के यात्रियों को भी मिलेगा। गाड़ी संख्या 04107 प्रयागराज-हडपसर स्पेशल 21 अक्टूबर से 18 नवंबर तक प्रत्येक बुधवार को प्रयागराज से रात 10:20 बजे रवाना होगी। यह बीना रात 11:35 बजे, रानी कमलापति आगले दिन रात 2 बजे और इटारसी सुबह 3:35 बजे पहुंचेगी। हडपसर में शाम 7:30 बजे पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 04108 हडपसर-प्रयागराज स्पेशल 22 अक्टूबर से 19 नवंबर तक प्रत्येक गुरुवार को रात 10:40 बजे चलेगी। यह इटारसी दोहरा 12:20, रानी कमलापति 2:15 और बीना शाम 4:45 बजे पहुंचेगी।

31 जनवरी तक पाठ्यक्रम खत्म करने के निर्देश



भोपाल। प्रदेश के हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूलों में त्रैमासिक परीक्षाएं समाप्त होने के बाद अब अर्धवार्षिक परीक्षाओं की तैयारी शुरू हो गई है। कक्षा 11वीं और 12वीं की अर्धवार्षिक परीक्षाएं 18 नवंबर और नौवीं व 10वीं की 21 नवंबर से प्रस्तावित हैं। ऐसे में स्कूलों के पास पाठ्यक्रम पूरा कराने के लिए करीब डेढ़ महीने का समय ही बचा है। त्यौहारों की छुट्टियों के कारण वास्तविक शिक्षण कार्य के दिन और कम हो जाएंगे। त्रैमासिक परीक्षा के परिणामों के आधार पर विद्यार्थियों के विषयवार प्रदर्शन का आकलन किया जा रहा है। कम अंक वाले विद्यार्थियों की पहचान कर उन्हें अतिरिक्त कक्षाओं के माध्यम से पढ़ाने की योजना है। गणित, विज्ञान और अंग्रेजी जैसे विषयों में कमजोर विद्यार्थियों की बुनियादी समझ मजबूत करने पर विशेष जोर रहेगा। स्कूलों में नियमित कक्षाओं के साथ अतिरिक्त कक्षाएं संचालित करने की चुनौती भी रहेगी। अर्धवार्षिक परीक्षाओं से पहले करीब 40 से 45 वास्तविक कार्यदिवस ही मिल पाएंगे। इन दिनों में नियमित पढ़ाई, कमजोर विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त कक्षाएं और परीक्षा की तैयारी साथ-साथ करनी होगी। ऐसे में शिक्षकों के सामने कम समय में पाठ्यक्रम पूरा कराने की चुनौती बनी हुई है। स्कूलों को आवश्यकता के अनुसार समय-सारणी में बदलाव कर एक फरवरी से पहले पाठ्यक्रम पूरा कराने और विद्यार्थियों की अभिक्षित दक्षताएं पूरा करने के लिए कहा गया है।

नैनो न्यूज

- देवास – शांतिवन में बनेगा स्नानधर-कन्यासा के शांतिवन** में तीन लाख रुपए की लागत से सामुदायिक स्नानधर बनाया जाएगा। सुविधा मिलने से आसपसंत के लोगों को राहत मिलेगी।
- शाजापुर – सड़कों पर विकास की उन्मीद-** शाजापुर जिले में सड़क और अन्य विकास कार्यों को लेकर प्रशासनिक गतिविधियां जारी हैं। क्षेत्र में अधोसंरचना सुधार से आवागमन आसान होने की उन्मीद है।
- सुसनेर – उपचुनाव में खिला कमल-** सुसनेर नगर परिषद उपचुनाव में भाजपा ने जीत दर्ज की। परिणाम के बाद स्थानीय राजनीतिक गतिविधियों के साथ क्षेत्र में विकास की चर्चाएं तेज हुईं।
- आगर – उज्जैन-झालावाड़ फोरलेन से उन्मीद-** उज्जैन से झालावाड़ के बीच प्रस्तावित मेगा फोरलेन से आगर-सुसनेर क्षेत्र की कनेक्टिविटी बेहतर होने की उन्मीद है। व्यापार और आवागमन को फायदा मिलेगा।
- रतलाम – व्यापारी के खातों से लाखों पार-** बड़वादा क्षेत्र के किराना व्यापारी के तीन बैंक खातों से 3.45 लाख रुपए निकाल लिए गए। व्यापारी ने ओटीपी साझा नहीं किया था।
- मंदसौर – नगर पालिका कर्मचारियों की हड़ताल-** 15 सूत्रीय मांगों को लेकर मंसौर नगर पालिका कर्मचारियों काम बंद हड़ताल पर चले गए। वे नियमित वेतन और स्थायी नियुक्ति सहित मांगें उठा रहे हैं।

विजयादशमी पर भगवान महाकाल की सवारी राजसी परंपरा का प्रतीक मानी जाती है, कार्तिक-अगहन में शिप्रा तट पर तीर्थपूजन

अश्विन से मार्गशीर्ष तक 6 बार नगर भ्रमण पर निकलेंगे बाबा महाकाल

विजयादशमी पर शमी पूजन के लिए दशहरा मैदान पहुंचेंगे, वैकुंठ चतुर्दशी पर गोपाल मंदिर में होगा हरि-हर मिलन

दैनिक अवन्तिका ►► **उज्जैन**

ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर की समृद्ध पूजन परंपरा में आने वाले तीन माह विशेष होंगे। अश्विन से मार्गशीर्ष तक भगवान महाकाल छह बार चांदी की पालकी में सवार होकर नगर भ्रमण पर निकलेंगे।

विजयादशमी पर अवतिकानाथ राजा के रूप में दशहरा मैदान पहुंचकर शमी वृक्ष का पूजन करेंगे, जबकि वैकुंठ चतुर्दशी पर श्रीहरि विष्णु से मिलने गोपाल मंदिर जाएंगे। कार्तिक-अगहन मास में निकलने वाली सवारियों में भगवान महाकाल शिप्रा तट पर तीर्थपूजन की परंपरा भी निभाएंगे। महाकाल मंदिर की पूजन परंपरा में श्रावण-भाद्रपद की सवारियां सर्वाधिक प्रसिद्ध हैं, लेकिन भगवान महाकाल का नगर भ्रमण केवल इन दो महीनों तक सीमित

वैकुंठ चतुर्दशी पर होगा हरि-हर मिलन

कार्तिक मास की सवारी का सबसे महत्वपूर्ण प्रसंग वैकुंठ चतुर्दशी का होगा। 23 नवंबर की रात भगवान महाकाल की सवारी गोपाल मंदिर पहुंचेगी, जहां रात 12 बजे हरि-हर मिलन की परंपरा निभाई जाएगी। मान्यता है देवशयनी एकादशी पर भगवान विष्णु शिव को सृष्टि का भार सौंपकर राजा बलि के यहां पाताल लोक चले जाते हैं। देवप्रबोधिनी एकादशी पर भगवान विष्णु के योगनिद्रा से जागने और वैकुंठ आगमन के बाद वैकुंठ चतुर्दशी पर भगवान महाकाल श्रीहरि विष्णु को सृष्टि का भार सौंपने

नहीं है। विजयादशमी, कार्तिक और अगहन मास में भी विशेष पर्वों के अवसर पर सवारी निकलती है। इस बार अश्विन से मार्गशीर्ष तक इन परंपराओं के छह अवसर आएंगे। इनमें 20

जाते हैं। गोपाल मंदिर में हरि हर मिलन इसी धर्म प्रसंग को जीवंत करता है। सनातन धर्म परंपरा में कार्तिक-अगहन मास को रस्नान, दान और तीर्थपूजन के लिए विशेष मास माना गया है। कार्तिक और अगहन मास में भगवान महाकाल की सवारियां तीर्थपूजन की इसी परंपरा से भी जुड़ी हैं। भगवान महाकाल उज्जैन के राजा हैं, इसलिए वें स्वयं तीर्थ पूजन के लिए शिप्रा तट पहुंचते हैं और प्रजाजनों के साथ तीर्थ का पूजन करते हैं।

विजयादशमी पर भगवान महाकाल की सवारी विशेष होगी, क्योंकि इसी दिन भगवान महाकाल साल में एक बार फ्रीगंज क्षेत्र में प्रवेश कर दशहरा मैदान पहुंचेंगे। विजयादशमी पर भगवान महाकाल की

सवारी राजसी परंपरा का प्रतीक मानी जाती है। दशहरा मैदान पहुंचकर अवतिकानाथ शमी वृक्ष का पूजन करेंगे। भारतीय परंपरा में शमी को विजय, शक्ति और मंगल का प्रतीक माना गया

प्रारंभिक मतदाता सूची में मतदाता संख्या घटकर 24 लाख 20 हजार 171 रह गई

इंदौर जिले में एसआईआर में 4.47 लाख नाम कटे

दैनिक अवन्तिका ►► **इंदौर**

इंदौर जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची से बाहर हुए चार लाख 47 हजार 123 मतदाताओं को फिर खोजा जाएगा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर ऐसे मतदाताओं को सूची में वापस जोड़ने के लिए अभियान चलेगा।

जिले के 3226 बूथों पर बृथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) इन मतदाताओं तक पहुंचेंगे और उनका सत्यापन करेंगे। सत्यापन में पात्र पाए जाने वाले मतदाताओं के नाम दोबारा मतदाता सूची में जोड़े जाएंगे। यानी एसआईआर में नाम कटने के बाद अब उन्हें सूची में वापस लाने की कवायद शुरू होगी। दरअसल वर्ष 2025 अक्टूबर माह से एसआईआर की प्रक्रिया शुरू होने से पहले जिले में 28 लाख 67 हजार 294 मतदाता थे। एसआईआर के दौरान चार लाख 47 हजार 123 मतदाताओं के फार्म भरकर नहीं आए, यानी इनका नाम प्रारंभिक सूची में नहीं था।

3226 बूथों पर होगी तलाश

अब नए अभियान में एसआईआर के दौरान हटाए गए मतदाताओं को केंद्र में रखा जाएगा। जिले के 3226 बूथों पर बीएलओ इन मतदाताओं की जानकारी के आधार पर उनसे संपर्क करेंगे। पात्र पाए जाने वाले मतदाताओं के नाम जोड़ने के बाद दावे-आपत्तियां भी बुलाई जाएंगी। आपत्तियों का निराकरण करने के बाद नाम मतदाता सूची में शामिल किए जाएंगे।

एक ढटके में लाखों नाम सूची से बाहर हो गए। एसआईआर के दौरान 66,825 मतदाताओं के नाम जोड़े गए। 21 फरवरी 2026 को अंतिम प्रकाशन में मतदाता संख्या 24 लाख 86 हजार 996 पहुंची।

इंदौर-5 में सबसे ज्यादा नाम बाहर हुए

एसआईआर के प्रारंभिक प्रकाशन में सबसे ज्यादा कमी इंदौर-5 में 87,591 मतदाताओं की रही। इसके बाद इंदौर-1 में 75,014 और इंदौर-2 में 72,969 मतदाताओं की संख्या घटी। वहीं सांवेर में 24,811 और महुू में 27,673 मतदाताओं की कमी दर्ज हुई। अब इन्हीं हटे नामों में पात्र मतदाताओं को खोजकर सूची में वापस लाने की प्रक्रिया होगी।

विभिन्न कारणों से विलोपित किए गए मतदाताओं का नाम जोड़ने का एक और अवसर दिया जा रहा है। परिवर्तन वाले मतदान केंद्र, पुरानी और वर्तमान सूचियों के मिलान से तैयार सूची के आधार पर इनकी जांच की जाएगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि फार्म-6 के साथ लगाई जाने वाली घोषणा में 2003 की जानकारी देना अनिवार्य नहीं होगा। गैर-एसआईआर अवधि में निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण

यह हैं आंकड़े

28,67,294 मतदाता थे एसआईआर से पहले
4,47,123 मतदाता एसआईआर में नहीं हुए शामिल
24,20,171 मतदाता एसआईआर के बाद प्रारंभिक सूची में शामिल
66,825 मतदाताओं के नाम एसआईआर अवधि में जोड़े गए
24,86,996 मतदाता 21 फरवरी को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची में शामिल
15,567 मतदाताओं के नाम एसआईआर के बाद अब तक जुड़े
25,02,563 मतदाता आज दिनांक तक सूची में शामिल

अधिनियम, 1960 के तहत निर्धारित प्रपत्रों का ही उपयोग होगा।

पंजाब के लोकनृत्य की बात हो तो सबसे पहले गिद्ध व भांगडा ही याद आते हैं

पंजाब की महक के साथ बरसाया लोक नृत्य का रंग

दैनिक अवन्तिका ►► **उज्जैन**

पंजाब के लोकनृत्य की बात हो तो सबसे पहले गिद्ध व भांगडा ही याद आते हैं। पंजाब के ग्रामीण क्षेत्रों मे उत्सव व समारोह गिद्ध नृत्य के बिना अखूरे ही माने जाते हैं। घर परिवार मे मांगलिक अवसरों पर गिद्ध की धूम रहती है जो जीवन मे उत्साह व उमंग का रंग घोलती सी जान पड़ती है। विशेषकर शादी समारोह मे महिलाएं मनोरंजन व हास- परिहास के लिए गिद्ध नृत्य का सहारा लेती हैं।

लोक संस्कृति के लिए सर्मापित शहर की संस्था प्रतिकल्पा द्वारा आयोजित लोकपर्व मे पंजाब के

लोकनृत्य को प्रोत्साहन की जरूरत

चर्चा करते हुए नृत्यांगना प्रीति ने बताया कि गिद्ध जैसे लोकनृत्य को प्रोत्साहन की बहुत आवश्यकता है अन्यथा हमारी पुरातन सांस्कृतिक विरासत लुप्त हो जाएगी। वे स्वयं स्कूल कालेज मे गिद्ध नृत्य की वर्कशाप आयोजित करती हैं,ताकि नई पीढ़ी हमारे लोकनृत्य को लंबे समय तक सहेजकर रखें और हास परिहास से मनोरंजन की गंगा तिरोहित करते रहें। प्रीति का प्रयास धीरे धीरे रंग ला रहा हैं और पंजाब के बच्चे नृत्य के इस फन को सिखने में खासी रुचि ले रहे हैं।

गुरदासपुर से आए कलाकारों ने मालवा की माटी मे गिद्ध का ऐसा सुन्दर प्रदर्शन किया कि दर्शकों ने देर तक कलाकारों के फन की दाद दी। पंजाब लोक- कला केन्द्र, गुरदासपुर से अपने कलाकारों के समूह के साथ आई नृत्यांगना प्रीति राजगढ़िया ने

दैनिक अवन्तिका से चर्चा करते हुए बताया कि पंजाब मे लडके की बारात रवाना होने जैसे मांगलिक अवसर पर महिलाएं घर मे गिद्ध नृत्य द्वारा हास- परिहास व मनोरंजन करती हैं । ये एक समूह नृत्य है जिसमे महिलाएं होती हैं। पुरुष का

गांधी भवन की बैठक में फूटा कांग्रेस कार्यकर्ताओं का गुस्सा,

छात्रों की गूंज के बाद उठी ब्लॉक अध्यक्षों की गूंज

पास वितरण से लेकर उपेक्षा तक उठे सवाल; सीडब्ल्यूसी तक शिकायत पहुंचाने की बात

दैनिक अवन्तिका ►► **इंदौर**

राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम की गूंज अभी थमी भी नहीं थी कि कांग्रेस के गांधी भवन में अब ब्लॉक अध्यक्षों की गूंज सुनाई देने लगी। कार्यक्रम की समीक्षा के लिए बुलाई गई बैठक में संगठन की अंदरूनी नाराजगी खुलकर सामने आ गई। सहप्रभारी ऊषा नायडू के साथ ब्लॉक अध्यक्षों, वार्ड अध्यक्षों और बाद में शहर कार्यकारिणी के पदाधिकारियों की बैठक में कार्यकर्ताओं ने अपनी शिकायतों का पिटारा खोल दिया।

मामला सिर्फ राहुल गांधी से मुलाकात या कार्यक्रम में पहुंचने तक सीमित नहीं रहा। कार्यकर्ताओं की नाराजगी का असली केंद्र पास वितरण और कथित उपेक्षा को लेकर रहा। बैठक

में कार्यकर्ताओं ने सवाल उठाया कि जो लोग कांग्रेस के कार्यक्रमों और आंदोलनों में दिखाई तक नहीं देते, वे राहुल गांधी के कार्यक्रम में पास बांटते नजर आए, जबकि पार्टी के निर्देश पर जमीन पर काम

करने वाले कार्यकर्ताओं को अलग स्थिति का सामना करना पड़ा। बैठक में यह नाराजगी इतनी गहुरे हुई कि कई कार्यकर्ताओं ने संगठन के सामने नियमों के कथित उल्लंघन करने वालों के

खिलाफ कार्रवाई की मांग तक रख दी। यानी हछात्रों की गूंजहू के सफल आयोजन की चर्चा के बीच कांग्रेस के भीतर कार्यकर्ताओं की असंतुष्टि ने नया राजनीतिक सवाल खड़ा कर दिया है।

दैनिक अवन्तिका ►► **उज्जैन**

शाही मस्जिद प्रकरण के बाद छावनी मे तब्दील हुआ छत्रीचौक का क्षेत्र बेरोनक व शांत हो चुका था। कल दोपहर बाद से प्रशासन ने गुदरी से कभी मार्ग तक रास्ता आमजन के लिए खोल दिया। इसी प्रकार सतीगेट से भोलागुरू व छोटा सराफा तक का रास्ता खोला गया।

प्रशासन द्वारा बैरिकेड्स हटाने से इन मार्गों पर आवागमन पुनः निर्बांध रूप से शुरू हो गया इससे सबसे ज्यादा खुश स्थानीय रहवासी, मंदिरों मे नियमित दर्शन करनेवाले श्रद्धालु व छोटे रहड़ीवाले के दुकानदार नजर आए। आज सुबह का दृश्य दिल को

सुकुन देनेवाला नजर आया जब सुबह से ही भगवान व पितरों के लिए फूल व माला की दुकानों पर खरीददार दिखे। छत्रीचौक क्षेत्र पर बेजार हो चुका हार फूल बाजार पुनः रौनक से भरपूर दिखा। हारफूल के अलावा टेलों पर से लोग कुंकुम व पूजन सामग्री भी खरीद रहे थे। गोपाल मंदिर मे दर्शन करने भी श्रद्धालु बेखौफ होकर आ रहे थे। सुरक्षा के लिए तैनात दस्तों के जवान सुबह चाय व नाश्ता करते दिखे। अभी भी पर्याप्त फोर्स शाही मस्जिद क्षेत्र मे तैनात है। अतिआवश्यक सेवा के वाहन द्वारा सुरक्षाबल के जवानों को नाश्ता उपलब्ध कराया जा रहा है। लोग प्रसन्न हैं कि शहर वापस सामान्य दिनों की ओर लौट रहा है।

महाकाल मंदिर प्रबंध समिति की सराहनीय पहल

दैनिक अवन्तिका ►► **उज्जैन**

यदि शहरवासी चेन की नौद सो रहे हैं और शहर मे अमन व शांति है तो इसके लिए पुलिस व सुरक्षाबल के अधिकारी व जवान बधाई के पात्र हैं। रात की नौद का त्याग करके ये सुरक्षाकर्मी घंटो मुस्तैदी से ड्यूटी दे रहे हैं। रात मे कुछ मौके पर,तो पेयजल भी नहीं पी पा रहे जब पाईंट पर अलर्ट मोड पर होना होता है। इनकी परेशानी को समझते हुए ही महाकाल मंदिर प्रबंध समिति द्वारा सुबह सेड्यूटीरत जवानों को नाश्ता उपलब्ध कराया जा रहे है जो सराहनीय है। प्रबंध समिति की वेन सुबह से ही इस कार्य मे जुट जाती है। आज सुबह वेन गोपाल मंदिर, पटनीबाजार, गुदरी आदि क्षेत्रों मे पोहे वितरित करती नजर आई। सुरक्षाबल के जवान भी नाश्ता पाकर संतुष्ट दिखे।

सामान के साथ पैदल चलने की जद्दोजहद

शहर के हालातों की मार बाहर से आए पर्यटकों व तीर्थयात्रियों को भी झेलना पड़ रही है। शहर के अंदरूनी हिस्सों मे आवागमन के साधन उपलब्ध न होने की दशा मे यात्रियों को मय सामान व छोटे बच्चों के साथ पैदल ही चलना पड़ रहा है। छोटा सराफा, भागसीपुरा, बंसफोड गली , नमकमंडी, नईपेट, मगरमुहा, लखेरवाडी आदि क्षेत्रों मे सुबह पब्लिक वाहन आटोरिक्षा, ई- रिक्शा आदि न होने पर यात्री लगेज व बच्चों के साथ पैदल ही मुख्य सड़को पर जाते नजर आये। इस दौरान छोटे बच्चों वाले,यात्रियों को ज्यादा असुविधा हुई।

मुश्किलों से निपटने का मंत्र



सम्पादकीय

एशियाड से हासिल

जापान में खेलों के एशियाई महाकुंभ का सुखद समापन उत्सव और समीक्षा का समय है। जो पदक जीते हैं, वे उत्सव मना रहे हैं और इस बार जिनका संघर्ष सफल न हुआ, वे समीक्षा कर रहे हैं। उत्सव जितना जरूरी है, उससे ज्यादा जरूरी है समीक्षा। कोई भी देश खेलों में तभी ऊंचाई पर पहुंचता है, जब वह समीक्षा करता है और उसके अनुरूप अपनी कमियां दूर करता है। भारत ने भी अपनी अनेक कमियों को दूर करना शुरू किया है और लगातार दूसरी बार एशियाई खेलों में चौथे स्थान पर रहा है। पिछली बार भारत को 106 पदक मिले थे और इस बार 85 ही मिले हैं, लेकिन जीत का प्रतिशत ठीक है। इस बार भारतीय खिलाड़ियों का दल छोटा था, पर लगभग हर तीसरा भारतीय खिलाड़ी पदक के साथ लौटा है। चीन को देखें, तो उसका हर दूसरा खिलाड़ी पदक के साथ लौटा है, लेकिन ध्यान रहे, चीन खेल दुनिया में एशियाई चैंपियन 1982 में बना। उसके पहले जापान शिखर पर था। शिखर पर पहुंचने और रहने के लिए चीन ने बहुत मेहनत की है। आज चीन से ही नहीं, जापान, दक्षिण कोरिया से भी हम बहुत कुछ सीख सकते हैं।

यह चर्चा बहुत होगी कि इस बार भारत को पिछली बार से कम पदक मिले हैं। भारत को 21 पदक कम मिले हैं, तो चीन के 42 पदक घटे हैं। चीन की झोली में 32 स्वर्ण और 22 रजत पदक घटे हैं। जहां भारत को मेहनत बढ़ाने की जरूरत है, वहीं चीन भी अब ज्यादा मेहनत करेगा। उसे पता है, दूसरे देशों ने खेलों में मशक्कत बढ़ा दी है। मिसाल के लिए, हॉकी में भारतीय लड़कियों ने 44 साल बाद चीनी लड़कियों को फाइनल में हराकर स्वर्ण जीता है। भारतीय लड़कियों की जीत एक बेहतरीन उदाहरण है। यह टीम हमें बताती है कि नए युग में पदक जीतने वाले खिलाड़ी कहां से आएंगे, उन्हें मैदान पर कितना आकामक होना होगा और कितना रक्षात्मक? इस मोर्चे पर भारत का कौशल बढ़ा है, लेकिन प्रदर्शन में निरंतरता जरूरी है। वैसे, दुनिया में अभी माहौल खेलों के बहुत अनुकूल नहीं है। आधी से ज्यादा दुनिया युद्ध के चलते आर्थिक तनाव झेल रही है। क्या अस्‍र खेलों पर पड़ रहा है? क्या खेल बजट में कमी आई है? क्या धन कुछ खेलों तक सिमट जा रहा है? प्रश्न यह भी है कि हम व्यक्तिगत पदक क्यों कम जीत रहे हैं?

संजा पर्व ग्यारहवां दिन

आज बनेगा जलेबी का जोड़ा

संजा पर्व के ग्यारहवे दिन दशमी की जलेबी जोड़ बनाई जाती है। यह जेलियां मिठास का प्रतिक होती है। बुजुर्ग महिलाएं कुंवारी कन्याओं को बताती है कि ससुराल में अपनी जीविका पर लगाम कसने पर कड़वाहट भी मिठास में बदल जाती है। सभी से प्यार,स्नेह के साथ रहना और सभी की मदद करना लड़की का गुण होता है। जिसप्रकार जलेबी घी में तपने के बाद शकर की चासनी को कड़ाई में ढूबकर सारी मिठास अपने में समाहित कर लेती है। उसी प्रकार विवाह बाद कन्या को अपने ससुराल में अपने व्यवहार से सभी के मन में मिठास घोलना चाहिए। ताकि वहां सभी की चहेती बनकर सुखपूर्वक रह सके।

जाड़ी जसोदा-पतली पेमा की कहानी

संजा पर्व के दौरान बुजुर्ग महिलाएं संजा माण्डने वाली कुंवारी कन्याओं को कथाएं सुनाती है। इन कथाओं के माध्यम से जहां लड़कियों में लोकाचार की भावना जाग्रत होती हैवहीं समझ विकसित होती है कि ससुराल में किसप्रकार से रिश्तेदारों के साथ व्यवहार करना चाहिए। अन्यथा बाद में जो परिणाम सामने आते हैं वे कितने गंभीर होते हैं। जसोदा नाम की एक गरीब महिला थी। वह इतनी गरीब थी कि अपने बच्चों को एक समय का भोजन भी नहीं करा पाती थी। उसके माता-पिता का निधन हो चुका था वहीं एक भाई था, जो पत्नि के व्यवहार के कारण दूरी बनाकर रहता था। श्राद्ध पक्ष आया तो भाई तीर्थ क्षेत्र में अपने माता-पिता का तर्पण करने गया। पत्नि को कह गया कि बहरन को श्राद्ध पर बुलाना और भोजन कराना। इधर जोधा को भी पता था कि हर वर्ष भाई के घर से बुलावा आता है। इसलिए वह इंतजार करती रही कि भाभी बुलाने आएगी। जब श्राद्ध वाले दिन भी भाभी बुलाने नहीं आईं तो स्वयं जसोदा अपने बच्चों को लेकर भाई के घर पहुंची।

जसोदा अपनी भाभी के व्यवहार से परिचित थी। सो उसने बच्चों के कहकि में आटा गुंधा। तुम बाहर नाली के पास बैठ जाना। जैसे ही में हाथा धोऊंगी, नाली से आटे का पानी निकलेगा, तुम दोनों उसे बर्तन में एकत्रित कर लेना। हम बाद में उसे पका लेंगे। जसोदा आटा गुंधने लगी। जैसे ही उसने हाथ धोना चाहा, प्रमा ने उसे कहा-रुको भाभी, आटे के हाथ धोओगी तो चींटी खाएंगी, इससे श्राद्ध का भोजन झुटा हो जाएगा। मैं तुम्हारे हाथ से आटा उधार देती हूँ। इतना कहकर उसने चूप से हाथ पर चिपका आटा निकाला। ऐसा करने से जसोदा के हाथ लहलुहान हो गए। इधर भाई पिण्डदान कर रहा था तो पिण्डों में से खून की बूंद निकलने लगी। भाई ने पण्डित से कारण पूछा तो उसने बताया कि तुम्हारे घर कोई संकट आने वाला है। जसोदा अपने घर आ गई। बच्चे भूखे सोए लेकिन वह रातभर जागती रही। उसके घर के बाहर एक बेल और एक कुत्ता बात कर रहे थे। वे कह रहे थे कि इस घर के चारों कोनों में बहुत सारा धन गड़ा है। यह सुनकर जसोदा ने चारों कोनों खोदे। बहुत सारा धन निकला। ऐसा होने से जसोदा की गरीबी जाती रही। उसने महल बनवाया और ठाट से रहने लगी। इधर तर्पण करके भाई लोटा तो पत्नि से पूछा कि जसोदा आई थी या नहीं? भोजन कराया या नहीं? प्रेमा बोली-हां, आई थी। सभी को भोजन कराया दिया। एक वर्ष बाद फिर श्राद्ध आया। इस बार भाई जसोदा को उसके घर भोजन पर बुलाने गया। जोधा के महल, वैभव देखकर वह चौंक गया। जसोदा ने निर्मंत्रण स्वीकार किया। जब वह भोजन करने भाई के घर गए तो भोजन की थाली में रखी सामग्री से सोने के जेवरों को छू कर कहने लगे-खाओ नथ भोजन, खाओ तुम्हसी एरन। ऐसा करने से भाई, भोजाई शर्मिंद हुए। हरियाणा में आज भी यह कहानी संजा पर्व के दौरान सुनाई जाती है। उसमें जसोदा की जगह धोंधा बाई नाम का जिन्न रहता है।

आज का माण्डना

आज कणि-कणि घर से न्यूतो आयो रे भंवरिया
आज कई-कई नोत जीमायो रे भंवरिया
आज चांद-सूरज बीरा के घर से न्यूतो आयो रे भंवरिया
लपसी का लौदा उपर घी, जीमायो रे भंवरिया
...

- श्रीमती स्वाति अंकि्त जैन**

हम सब कभी न कभी उस अजीब निराशा की गिरफ्त में आ जाते हैं, जो किसी ऐसी चीज में फंसने से होती है, जिसे हमने खुद चुना हो। चाहे वह कोई ऐसी नैकरी हो, जिसे आप कभी बहुत शिव्त से पाना चाहते थे; कोई ऐसी कमिटी, जिसका नेता आप खुद बनाना चाहते थे या कोई ऐसा कार्यक्रम, जिसे होस्ट करने की जिद आपने की हो।

लोग तब बहुत परेशान होते हैं, जब वे अपने ही बनाए जाल में फंस जाते हैं या जब लगता है कि कोई चीज उन पर थोपी जा रही है। अगर आप खुद को याद दिलाएं कि यह मेरा ही चुना हुआ फैसला है। हां, जिस वक्त मैंने इसे सोचा और इसका आयोजन किया, तब हालात कुछ अलग थे और अब चीजें बदल गई हैं। तब मैंने यह नहीं सोचा था कि मेरे फैसले के मुश्किल नतीजे निकल सकते हैं, लेकिन अब मुझे इसका दायित्व लेना चाहिए। किसी दूसरे को दोष देने की जरूरत नहीं है। तो

विचार-मंथन

भविष्य के मजबूत इरादे

एशियाई खेलों में भारत का दमदार प्रदर्शन

जापान के आइची और नागोया में आयोजित 2026 के एशियाई खेल भारत के लिए अनेक उपलब्धियों और यादगार क्षणों से भरे रहे। भारतीय खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता के अंतिम

चरण में जिस तरह शानदार प्रदर्शन करते हुए पदकों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी की, उसने पूरे देश को उत्साह और गर्व से भर दिया। भारत ने इन खेलों का समापन 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य सहित कुल 85 पदकों के साथ किया और पदक तालिका में चौथा स्थान प्राप्त किया।

85 पदकों का आंकड़ा अपने आप में महत्वपूर्ण है। हालांकि भारत 2023 के हांगझोउ एशियाई खेलों में प्राप्त 106 पदकों के रिकॉर्ड को दोहरा नहीं सका, लेकिन 2026 में मिले 21 स्वर्ण पदक भारतीय खेल इतिहास में उल्लेखनीय उपलब्धि हैं। प्रतियोगिता के अंतिम दिन भारत ने जिस प्रकार लगातार स्वर्ण पदक जीते, उससे ऐसा लगा कि भारतीय दल ने अंतिम क्षण तक अपनी पूरी क्षमता का प्रदर्शन करने का संकल्प ले रखा था। अंतिम दिन ही क्रिकेट, हॉकी, कुश्ती, तीरंदाजी और गोल्फ में भारत ने स्वर्ण पदक हासिल किए।

पुरुष क्रिकेट टीम का पाकिस्तान के विरुद्ध स्वर्ण पदक मुकाबला इन खेलों का सबसे चर्चित मुकाबला रहा। निस्श्चिन में खेले गए इस मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 211 रन बनाए। अभिषेक शर्मा ने 61 रन की शानदार पारी खेली, जबकि विल्लक वर्मा ने केवल 22 गेंदों पर नाबाद 51 रन बनाकर भारतीय पारी को मजबूत आधार दिया। जबकि पाकिस्तान की टीम 6 विकेट पर 192 रन ही बना सकी। उसके बल्लेबाज हसन नवाज ने 96 रन की जुझारू पारी खेली, लेकिन वह अपनी टीम को जीत तक नहीं पहुंचा सके। भारत ने 19 रन से मुकाबला जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

इस जीत का महत्व इसलिए भी बढ़ गया क्योंकि भारतीय महिला क्रिकेट टीम पहले ही स्वर्ण पदक जीत चुकी थी। इस प्रकार भारत ने एशियाई खेलों में क्रिकेट के दोनों वर्गों में स्वर्ण

पदक जीतकर शानदार दोहरी सफलता हासिल की। पुरुष टीम की पाकिस्तान पर जीत ने इस उपलब्धि को और विशेष बना दिया। भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मुकाबले हमेशा से खेल प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र रहे हैं। ऐसे में एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक के लिए हुआ यह मुकाबला लंबे समय तक याद किया जाएगा।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने भी देश को गौरवान्वित किया। फाइनल में भारत ने मलेशिया को 5-1 से हराकर लगातार दूसरी बार एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीता। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने दो गोल किए, जबकि जुगुराज सिंह, हार्दिक सिंह और शिलानंद लकड़ा ने एक-एक गोल करके भारत की जीत को मजबूत किया। मलेशिया ने शुरूआती बराबरी के बाद भारतीय दबाव का सामना करने की कोशिश की, लेकिन भारतीय टीम ने धीरे-धीरे मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण स्थापित कर लिया।

हॉकी में मिली यह सफलता केवल स्वर्ण पदक तक सीमित नहीं रही। इस जीत के साथ भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 2028 के लॉस एंजलिस ओलंपिक खेलों में सीधे प्रवेश भी सुनिश्चित कर लिया। एशियाई खेलों की पुरुष हॉकी प्रतियोगिता के विजेता को ओलंपिक में सीधे प्रवेश मिलता है। इस प्रकार भारतीय टीम को अब ओलंपिक प्रवेश के लिए अलग से योग्यता प्रतियोगिता में संघर्ष नहीं करना पड़ेगा।

भारतीय हॉकी के लिए यह उपलब्धि विशेष महत्व रखती है। एक समय विश्व हॉकी में भारत का दबदबा था, लेकिन पिछले कुछ दशकों में उसे अनेक उतार-चढ़ाव से गुजरना पड़ा। अब लगातार दो एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतना यह बताता है कि भारतीय पुरुष हॉकी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत स्थिति फिर से बनाई है। 2028 के ओलंपिक के लिए सीधे प्रवेश से खिलाड़ियों को तैयारी के लिए पर्याप्त समय भी मिलेगा। अब भारतीय टीम के सामने चुनौती इस सफलता को ओलंपिक पदक में बदलने की होगी। इन खेलों में तीरंदाजी ने भी भारत को महत्वपूर्ण सफलता दिलाई। 17 वर्षीय कुमकुम अनिल महोद ने महिला व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में स्वर्ण जीतकर इतिहास रच दिया। वह इस स्पर्धा में एशियाई खेलों का व्यक्तिगत स्वर्ण जीतने वाली

आरोपों का दौर: जिसे देखो वही इस्तीफा मांग रहा

खंग्य

इन दिनों इस्तीफा मांगने का फैशन चल रहा है। कोने कोने से इस्तीफा मांगने की आवाज आ रही है। जिससे

मांगा जा रहा है बस वही किसी से नहीं मांग रहा है बाकी सब मांग रहे हैं। जहां भी दो आदमी खड़े बात कर रहे हैं तो समझ जाओ उसमें से एक सामने वाले से इस्तीफा मांग रहा है। जो स्पष्ट नहीं बोल सकते वे हकलाने और तुतलाते हुए मांग रहे हैं। अस्पष्ट में ही यह स्पष्ट है कि इस्तीफा मांग रहे है।

मांग सब रहे हैं पर दे कोई नहीं रहा है। माईक पर चिल्ला चिल्ला कर मांगा जा रहा है। इतना चिल्लाया जा रहा है कि बहरों ने भी सुन लिया। बस उसने नहीं सुना जिससे मांगा जा रहा है। बुद्धि के खेत पर इस्तीफे के कीटाणुओं ने हमला कर दिया है जिससे अक्ल की खड़ी फसल चौपट हो गई है।

मोमोज की तरह इस्तीफे की मांग गली गली में फैल गई है। पहले आरोप लगा कर इस्तीफा मांगा जाता था

तब जवाब में कहा जाता था झ आरोप साबित हो गया तो सन्यास ले लूंगा। अब इस्तीफे की मांग ने इतनी तरक्की कर ली है कि आज इस्तीफे की मांग आरोप की मोहतजा नहीं है। जिनको इस्तीफे का मालवत तक नहीं मालूम वो भी इस्तीफा मांग रहे हैं। कहते हैं जब सब मांग रहे हैं तो मैं पीछे क्यों रहूँ। मैंने एक से पूछा झ आप किस वजह से उससे इस्तीफा मांग रहे हैं ? उसने बोला झ वजह उसे अच्छी तरह मालूम है जिससे मांगा जा रहा है। उसके आठ दस मामले हैं वह अपनी इच्छा और सुविधानुसार वजह चप्पा कर लेगा।

एक दूसरा व्यक्ति चिल्ला रहा था इस्तीफा दे इस्तीफा दो। मैंने पूछा आप किससे इस्तीफा मांग रहे है ? उसने कहा वह मेरे को नहीं मालूम , मैं तो बस इतना चाहता हूँ इस्तीफा दो। मैंने पुनः पूछा झ आपके मांगने पर दे तो कौन दे ? उसने गुस्से में कहा झ जिसको भी देना है वह दे इससे मेरे को फर्क नहीं पड़ता , मैं तो बस इतना चाहता हूँ इस्तीफा दो।

यह चर्चा में बने रहने का उपक्रम भी है। जब किसी को लगता है उसकी लोकप्रियता घटती जा रही है , उसके होने का नोटिस नहीं लिया जा रहा है तो वह एक दिन अचानक प्रधानमंत्री से इस्तीफा मांग लेता है। हमें

धर्म-आस्था

वेदों में ईश्वर के बारे में क्या कहा गया है?



ऋग्वेद में ईश्वर के सगुणी होने या अनेक रूपों के होने के बजाय आत्मा और परमात्मा के एकत्व पर जोर दिया गया है। 'अहं ब्रह्मस्मि' जैसे मंत्र इस बात की व्याख्या करते हैं कि आत्मा और परमात्मा में कोई भेद नहीं किया गया है। जो स्वयं को जानता है, वह ईश्वर को भी जानता है क्योंकि ईश्वर केवल एक चेतना हैं जो सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड में हो रही घटनाओं के साक्षी हैं। ऐसा नहीं है कि वेदों में देवताओं का वर्णन नहीं मिलता, बल्कि वेदों में प्रकृति से जुड़े अग्नि, इंद्र, वरुण, सूर्य, उषा आदि देवताओं की स्तुतियां मिलती हैं। लेकिन वेदों में ऐसे गहरे दार्शनिक विचार भी हैं जो एक परम सत्य और सृष्टि के मूल कारण को समझने का प्रयास करते हैं। वेदों में देवताओं के लिए 'देव' शब्द का प्रयोग मिलता है। लेकिन इन देवताओं को यूं ही किसी शक्ति से जोड़कर उसकी उपासना करने नहीं बताया गया है, बल्कि वेदों में ऋषि उस व्यापक सत्य की खोज भी करते हैं जो पूरे अस्तित्व के पीछे है।

यह आपका मंत्र बन सकता है और आपको आगे बढ़ने की हिम्मत दे सकता है। इसे आजकल कहते हैं, एक छोटा, सोच-समझकर चुना गया वाक्य, जिसे आप तब इस्तेमाल कर सकते हैं, जब आपका दिमाग सबसे बुरे परिणामों के बारे में सोचना शुरू करता है। होता यह है कि जब कोई तनाव से घिर जाता है, तब छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देने की गुंजाइश कम होती है। जब आपका शरीर फाइट-ऑर-फ्लाइट मोड (लड़ने या भागने की स्थिति) में होता है, तब आप तर्क-वितर्क करके उससे बाहर नहीं निकल सकते। तब आप खुद से यह कह सकते हैं : इसे हमने ही चुना था। हमने हर दिन इसे चुना। जब यह बहुत बड़ा और मुश्किल नहीं हुआ था, तब भी हम इसे छोड़ सकते थे और मैंने ऐसा न करने का फैसला किया, क्योंकि मुझे यह बहुत पसंद था। ऐसा मंत्र एक संबल है, जो आपको बहुत ज्यादा बिखरी हुई ऊर्जा को

इन्दौर, मंगलवार 06 अक्टूबर 2026

06

हरी घांस

वहां न कोई सोयाबीन था, न कोई कपास। वहां चार फीट गहरा गंद, सड़ा हुआ बाढ़ का पानी भरा था। और उस पानी की सहार पर तैर रही थी, सैकड़ों टन जहरीली जलकुंभी और सड़ी हुई जंगली घास।

उग्रहह के अंधे कैमरे ने अंतरिक्ष से उस पानी पर फैली सड़ती हुई हरी काई और जलकुंभी को ह्रस्वस्व, समृद्ध फसलह मान लिया था। एआई का एल्गोरिदम इंसान की सांसें नहीं पढ़ सकता; वह सिर्फ रंगों की तरंगें पहचानता है। पोर्टल पर रिपोर्ट स्वतः लॉक हो चुकी थी, ह्दफसल पूर्णतः सुरक्षित। किसान किसी भी प्रकार के मुआवजे अथवा क्लेम का पात्र नहीं है ह्ह

यार, तुमने कभी किसी इंसान को अपनी ही बबादी के सत्तूत जुटाने के लिए गिड़गिड़ाते देखा है? इस मुक़्क में गरीब का सच सबसे बड़ा झूठ मान लिया जाता है, जब तक कि कोई मशीन उस पर पुहर न लगाए।

उस ढूबते खेत की मेड़ पर पचास साल का किसान हरिकिशन खड़ा था। बदन पर एक फटी हुई बनियान और आंखों में नौद का आखिरी कवरा भी गायब। उसकी हथेली में बैंक का लाल नोटिस था। खाद, बीज और बेटी सुमित्रा के ब्याह के लिए लिया गया चार लाख रुपये का कर्ज अब सीधे नीलाम की चौखट पर पहुंच चुका था।

हरकिशन ने आगे बढ़कर सर्वेयर के बूट पकड़ लिए, बाबूजी, भीतर उतरकर देख लो... मेरी चार महीने की मेहनत सड़कर बद्दूम मार रही है। मेरी फसल का एक दाना भी नहीं बचा।

सर्वेयर ने अपना आईपैड उसकी आंखों के आगे चमकाया और बड़े दार्शनिक भाव से बोला, हरिकिशन जी, विज्ञान भानाओं पर नहीं चलता। अंतरिक्ष में तैरता अरबों रुपये का सैटेलाइट झूठ बोलेगा या तुम? हमारे डिजिटल डैशबोर्ड पर तुम्हारा खेत राज्य में नंबर वन प्रोनीर दिखा रहा है। अगर हमने नुकसान लिखा, तो सिस्टम ऑटिड हमें जेल भेज देगा।

व्यवस्था का सारा सौंदर्य इसी में है; वह इतनी निरौप और तकनीकी रूप से सटीक होती है कि उसमें किसी भूखे के मरने की जिम्मेदारी सिर्फ उसकी अपनी किस्मत पर डाल दी जाती है।

कुछ आसान सा सहारा देता है और आपको अगला कदम तय करने के लिए थोड़ा समय देता है। जैसे सब ठीक हो जाएगा, एक प्यारा मंत्र है, जो बहुत लोग अपनाते हैं, मानो खुद को ही समझा रहे हैं। जब स्थिति बेकाबू हो जाए, तो खुद को समझाना पड़ता है। यह एक ऐसे भविष्य के बारे में किया गया वादा है, जिसे आप देख नहीं सकते; यह इसीलिए कहा जाता है, ताकि आपका बेचैन दिमाग कुछ स्थिर हो जाए। यह एक थैरेपी की तरह काम करता है। आपको हिम्मत और आगे बढ़ने की ताकत देता है, लेकिन अगर आप अंदर से यकीन नहीं करते, तो आपका दिमाग इसे नहीं मानेगा।

सब ठीक हो जाएगा मंत्र कोई भविष्य बताने का दावा नहीं करता, बल्कि आपके टूट रहे हौसले के पलों में भरोसा रखने के लिए उज्ज्वल भविष्य की आशा का दीप जलाता है।

दैनिक अवन्तिका

 पञ्चांग राशिफल	
	
दिनांक- 06 अक्टूबर 2026 मंगलवार सूर्योदय - 06:23सूर्यास्त 18:09 आश्विन मास कृष्ण पक्ष राहकाल -15:00 से 16:30 तक तिथि- एकादशी 24:41 उपरांत द्वादशी नक्षत्र- अश्लेषा 23:29 उपरांत मघा योग- सिद्ध 0941 रातोंत रास्य कर्ण - बव चन्द्रमा - कर्क मे है 23:29पर सिंह मे प्रवेश करेगा मुस्लिम मास - रवि उस्सानी मास 23तारिख	
मेघ-	नौकरी में वरिष्ठों का मार्गदर्शन लाभ देगा। व्यापार में लाभ की गति थोड़ी धीमी रह सकती है।
वृषभ-	परिवार में बड़ों के आशीर्वाद से रुके काम बनेंगे। आर्थिक संतुलन बनाए रखें, बजट के अनुसार करें।
मिथुन-	कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों से पूरा सहयोग मिलेगा। व्यापारिक प्रतियस्धियों के पछाड़कर लाभ कमाएंगे।
कर्क-	परिवार में सौहार्दपूर्ण माहौल रहेगा। अचानक कलह हुआ पैसा मिल सकता है।
सिंह-	मानसिक और शारीरिक ऊर्जा का स्तर ऊंचा रहेगा। कार्यस्थल पर वाद-विवाद से दूर रहना ही समझदारी है।
कन्या-	व्यापारिक सौतों में जलदबाजी न करें, समीक्षा करें। घर में छोटी बातों पर तुल न दें, शांति रहे।
तुला-	अनाश्यक खर्चों पर रोक लगाना जरूरी होगा। थकान और सुस्ती दूर करने के लिए आराम लें।
वृश्चिक-	कार्यस्थल पर आपकी नई सोच को स्वीकार किया जाएगा।
धनु-	व्यापार में विस्तार के योग हैं, प्रयास तेज करें। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता और मिठास आएगी।
मकर-	घन आगमन के रास्ते खुलेंगे। स्वास्थ्य बहुत बढ़िया रहेगा, ऊजवालन महसूस करेंगे।
कुंभ-	करियर में तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे। व्यापार में सरकारी क्षेत्र से लाभ मिलने के संकेत हैं।
मीन-	पारिवारिक माहौल बहुत खुशगुमा रहेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, धन संचय होगा।
इन्दौर मंडी भाव	
चना कांटा 7000 से ब्याल्लिटी 2750 से 2800 किसान 7050 रिषाल 6950 से 6950 3100 से 3150 पूणा 2950 से इंडी कीना 6200 से 6500 मसूर 3000 मालवकान 2850 से 2900 6000 महाराष्ट्र सरफ 8700 मक्का 2500 से 2525 चा से 8900 महाराष्ट्र लाल १००० दाल 8500 से 8600 मिडियम से 9200 कर्नाटक 9100 से 8800 से 8900 बेस्ट 9400 9300 निमाडी तुसर 7000 से से 9600 तुसर दाल 8700 से 8'200 मूंग बेस्ट गर्मी 7900 से 8800 मिडियम 9700 से 9800 8000 मूंग बेस्ट बोल्ड 8100 से बेस्ट 11100 से 11400 एम्स्ट्र 8200 मोगर 5500 से 7200 बेस्ट 12200 से 12400 ब्रांडेड उड़द बोल्ड 9400 से 9700 उड़द 13800 मूंग दाल 9500 से 9600 गमी 9000 से 9400 ग्रोव्डी स्क्रीन बेस्ट 9700 से 9800 मूंग मोगर 9500 से 10000 हल्का उड़द 11500 से 11600 बेस्ट 11700 4000 से 6000 काबुली डॉलर से 11800 उड़द दाल 11200 से 8300 से 10000 काबुली रश्मिन 11300 बेस्ट 11400 से 11500- 6800 से 7100 लिटकी 6500 से उड़द मोगर 12200 से 12400 6700 सर्सां निमाडी 8300 लाला बेस्ट 12600 से 12900 मसूर 7100 से 7300 सोयाबीन 5600 दाल 7650 से 7750 बेस्ट 7850 टोलो 5700 से 5900 वेहू मिल से 7,6,50 रुपए प्रति बिक्टल।	
आलू, प्याज, लहसून भाव	
न्जोति नया 700 से 800 न्जोति राशन आलू 500 से 600 गुल्ला 300 से 400 रुपए प्रति बिक्टल बिका। प्याज नया 1200 से 1300 पुराना 800 से 1000 एलेरो 500 से 700 गोल्टा 300 से 400 प्रति बिक्टल रशे। लहसुन एम्स्ट्र गुपु 15000 से 18000 देशी 13000 से 14000 एलेज 12000 से 15000 बारीक 9000 से 10000 रुपए बिक्टल।	
उज्जैन भाव	
लोकवन गेहूँ- 2071-3150, चना देशी- 5901 काबकी- 3350-7951, बटला- 3201, रायड़ा- 6850, मूं- 7600, सोयाबीन- 2700-6085, मैथीदाना- 5240, सरसो- 7050-7601, तुसर- 4300, लिल्ली- 10491-11001, मावा- 300 पतिलीको। सोना- वॉलिन- सोना- 300 पतिलीको। सोना- वॉलिन- सोना-स्टेण्ड- 1,49,500 रवा- 1,49,400 चांदी- टंच- 2,27,500 पाट- 2,26,650।	
उज्जैन किराना	
अशोक कुमार भगवानदास	
152 फवारा चौक उज्जैन	
किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती 75 से 200, तिबार 68 से 130, पोनिया 55 से 85, टुकडी 32 से 65, शेला 36 से 38, परमल 35 से 44, तुवर दाल निमाडी 135 महाराष्ट्र 105 से 120, तुवर दाल 80 से 120, मूंगदाल 85 से 110, मोगर 95 से 120, उड़द मोगर 110 से 120, उड़द दाल 95 से 100, मसूरदाल 75 से 78, चना दाल 72 से 80 ।	
आमंत्रण	
आप भी अपने व्यंघ्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है। editor.awantika@gmail.com	



न्यूज-कॉलम

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत, चालक फरार

मंदसौर। जिले के मल्हारगढ़ क्षेत्र अंतर्गत बुढ़ा-टकरावाद मार्ग पर गर्गवद फंटे के पास सोमवार को हुए सड़क हादसे में बाइक सवार लालसिंह पिता ईश्वर सिंह, निवासी खेड़ा काल्याखेड़ी की मौत हो गई।जानकारी अनुसार घटना के बाद घायल लालसिंह काफी देर तक सड़क किनारे पड़े रहे, जिन्हें बाद में एक राहगीर की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया है कि किसी चार पहिया वाहन चालक ने बाइक को टक्कर मारी और घायल को तड़पता छोड़कर अपनी गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। परिजनों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर आरोपी वाहन और उसके चालक की पहचान की जाए। पुलिस ने मगं कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

अपेक्स बैंक प्रशासक महेंद्र सिंह यादव का आज मंदसौर दौरा

मंदसौर। मध्य प्रदेश राज्य सहकारी बैंक मर्यादित (अपेक्स बैंक) भोपाल के प्रशासक महेंद्र सिंह यादव 6 अक्टूबर को मंदसौर जिले के प्रवास पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रशासक श्री यादव सोमवार शाम को ही मंदसौर पहुंच चुके हैं। अपने प्रवास के दौरान वे मंगलवार को कृषि उपज मंडी में आयोजित होने वाले बलराम कृषि महोत्सव में सहभागिता करेंगे। इसके अतिरिक्त, श्री यादव सुबह 10.30 बजे जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के प्रधान कार्यालय में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक लेंगे। इस बैठक में जिले की सभी 35 शाखाओं के शाखा प्रबंधक और फील्ड अधिकारी उपस्थित रहेंगे, जहां बैंक की गतिविधियों और प्रगति की समीक्षा की जाएगी। अपने दौरे के दौरान वे बैंक से संबद्ध प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों धुंधड़का और कचनारा का भ्रमण भी करेंगे।

कॉलेज में प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निःशुल्क कक्षाएं शुरू

मंदसौर। पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में अध्ययनरत विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी कराने के उद्देश्य से विशेष मार्गदर्शन कक्षाओं का शुभारंभ किया गया। प्राचार्य प्रो. जे.एस. दुबे के मार्गदर्शन में शुरू हुई इन कक्षाओं के उद्घाटन अवसर पर कार्यक्रम संयोजक डॉ. बी.आर. स्वामी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए नियमित अध्ययन, अनुशासन, समय प्रबंधन और निरंतर अभ्यास ही सफलता की कुंजी है।प्रथम दिवस की कक्षा में भूगोल विभाग के प्राध्यपक डॉ. लखन जैन ने विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के पैटर्न, पाठ्यक्रम, महत्वपूर्ण विषयों और तैयारी की सटीक रणनीति के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कॉलेज प्रशासन के अनुसार, इन विशेष कक्षाओं का संचालन प्रत्येक सप्ताह सोमवार से शुक्रवार तक दोपहर 2 से 2.40 बजे तक कक्ष क्रमांक 206 में किया जाएगा। कक्षाओं में भाग लेने के लिए विद्यार्थियों का पंजीयन अनिवार्य रखा गया है, जिसके लिए गूगल फॉर्म उपलब्ध कराया गया है।

दो बाइक की भिड़त में एक व्यक्ति की मौत

नीमच। शहर के ग्वालटोली क्षेत्र में रविवार को दो बाइकों की भिड़ंत में 45 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। हादसा ग्वालटोली स्थित बालाजी मंदिर के सामने हुआ। मृतक की पहचान ग्राम बामनिया निवासी कारूलाल भील के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार कारूलाल भील बाइक से किरत नमा कराने के लिए नीमच आया था। इसी दौरान बालाजी मंदिर के सामने उसकी बाइक की सामने से आ रही दूसरी बाइक से भिड़ंत व हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कारूलाल गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद उसे तत्काल जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। दुर्घटना की सूचना मिलने पर परिजन भी जिला चिकित्सालय पहुंचे। रविवार सुबह पुलिस ने जिला चिकित्सालय में मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

हाईवे के किनारे ढाबों व रेस्टोरेन्ट्स पर थानों, अस्पतालों व एम्बुलेंस के नंबर प्रदर्शित किए जाए-संभागायुक्त

दैनिक अवन्तिका ▶▶ रतलाम

संभागीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में संभागायुक्त श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिए कि संभाग के जिलों में जहां-जहां भी ब्लैक स्पाॅट चिन्हित किए गए हैं, वहां पर हाईवे के किनारे के ढाबों और रेस्टोरेंटों पर हॉस्पिटल, एंबुलेंस व थानों के नंबर की लिस्ट बनाकर प्रदर्शित की जाए। साथ ही ढाबों व रेस्टोरेंट पर कार्यरत कर्मचारियों को इस बात का प्रशिक्षण भी दिया जाए कि दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को किस तरह निकट के अस्पताल तक सुरक्षित पहुंचाया जाए। आवश्यकता हो तो ऐसे कर्मचारियों के समूह को डॉक्टर्स एवं पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा प्रशिक्षण दिलवाया जाना चाहिए। आपात स्थिति में सीपीआर किस तरह से दी जानी



चाहिए, इसकी भी प्रॉपर ट्रेनिंग होनी चाहिए। संभागीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आज प्रशासनिक संकुल भवन के द्वितीय तल स्थित कलेक्टर सभागृह में संभागायुक्त श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में एडीजी श्री राकेश गुप्ता, डीआईजी श्री नवनीत भसीन, सभी जिलों के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक,

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, नगर निगम आयुक्त एवं अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। बैठक में संभागायुक्त श्री आशीष सिंह ने कहा कि ऐसे धार्मिक व सामाजिक स्थलों के पास बनी हुई रपटें, जिन पर बाढ़ का पानी चढ़ जाता है और वहां नलखेड़ा की तरह दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है, तो एसी जगहों पर बड़े पुल बनाने का

सेवा संकल्प में कुकडेश्वर सहित 12 नगरीय निकायों में जल स्रोतों की सफाई

दैनिक अवन्तिका ▶▶ नीमच,

ेवा संकल्प अभियान के तहत च्सेवा मेरा योगदानज गतिविधि अंतर्गत जिले के सभी 12 नगरीय निकायों में जल संरक्षण एवं जल स्रोतों की स्वच्छता के लिए विशेष सफाई अभियान आयोजित किया गया। अभियान के दौरान जिले कुडेश्वर, अठना,नीमच सहित 22 स्थानों पर कुओं, तालाबों, बावड़ियों, नदी घाट एवं अन्य जल स्रोतों की साफ-सफाई की गई।इसमें लोगों ने बड़ चढ़कर स्वच्छता के लिए श्रमदान किया। अभियान के दौरान विभिन्न नगरीय निकायों में निर्धारित जल स्रोतों पर सफाई कार्य किया गया। नीमच नगर पालिका क्षेत्र में नायूलाल बावड़ी, भटनागर कुआं एवं मातादीन कुआं, जौरन नगर परिषद में शिव घाट तालाब, कुकडेश्वर नगर परिषद में महादेव घाट तथा मनासा नगर पालिका में राम तलई तालाब की



सफाई की गई।

इसी प्रकार सिंगोली नगर परिषद में फिल्टर प्लांट, रतनगढ़ नगर परिषद में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, जावद नगर पालिका में सांवलिया डेम एवं खोर दरवाजा बावड़ी, नयागांव नगर परिषद में ढाबा माता मंदिर बावड़ी एवं पीपलेश्वर बावड़ी तथा अठना नगर परिषद में विभिन्न जल स्रोतों, गंभीर नदी घाट एवं बावड़ी की सफाई की गई।

रामपुरा नगर पालिका क्षेत्र में पातोशा बावड़ी एवं श्रीपुरा चौपड़ा तथा सरवानिया महाराज नगर परिषद में वार्ड क्रमांक-3 स्थित तलई में भी सफाई

अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान संबंधित नगरीय निकायों के नगर पालिका नगर परिषद अध्यक्ष, पार्षदगण, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, अधिकारी-कर्मचारी एवं अन्य संबंधितजन उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय सह भागिता करते हुए जल स्रोतों की सफाई एवं श्रमदान किया। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित इस सामूहिक प्रयास का उद्देश्य स्वच्छता, जल संरक्षण, जल स्रोतों की साफ-सफाई एवं जनभागीदारी को बढ़ावा देना है।



सफाई व्यवस्था बिगड़ी, नपा कर्मचारियों ने शुरु किया काम बंद आंदोलन

दैनिक अवन्तिका ▶▶ मंदसौर

अपनी 15 सूत्रीय मांगों को लेकर गांधी चौराहे पर प्रदर्शन कर रहे नगर पालिका कर्मचारियों का आंदोलन रूमर मं परिवर्तित हो गया। 19 सितंबर से चरणबद्ध आंदोलन कर रहे कर्मचारियों ने 26 सितंबर से शुरू की गई भूख हड़ताल के बाद अब पूर्णतः च्काम बंदज हड़ताल का ऐलान कर दिया है। कर्मचारियों का कहना है कि पिछले दो वर्षों से लगातार ज्ञापन देने के बावजूद शासन और प्रशासन द्वारा उनकी समस्याओं का कोई ठोस समाधान नहीं निकाला गया है। संयुक्त मोर्चे के बैनर तले जारी

इस आंदोलन में कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में 15 से 20 वर्षों से कार्यरत दैनिक वेतनभोगियों का स्थायीकरण, अनुकंपा नियुक्ति और हर महीने की 1 से 7 तारीख के बीच नियमित वेतन भुगतान शामिल है। कर्मचारियों ने आउटसेंसिंग और ठेका पद्धति का विरोध करते हुए शहर के विस्तार को देखते हुए 100 पुरुष एवं 100 महिला सफाई कर्मचारियों की नई भर्ती की मांग की है। इसके अलावा 8 घंटे से अधिक काम का भत्ता, ईपीएफ व वेतन पर्ची की उपलब्धता, और मांग पत्र सौंपने पर उत्पीड़नात्मक नोटिस न देने जैसी मांगों शामिल हैं। कर्मचारियों का कहना है कि जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं, काम बंद आंदोलन जारी रहेगा।

न्यूज कालम



उत्कृष्ट विद्यालय में करियर काउंसलिंग कार्यशाला आयोजित

मंदसौर। शा. उत्कृष्ट विद्यालय मंदसौर में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत एक विशेष करियर काउंसलिंग कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। विद्यालय के प्राचार्य श्री के.सी. सोलंकी के निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विकसित भारत की संकल्पना के तहत विद्यार्थियों को विभिन्न सेवा गतिविधियों, शैक्षणिक विकल्पों और भविष्य में रोजगार के उपरते अवसरों से अवगत कराना रहा। कार्यशाला में कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को उनकी रुचि, क्षमता और योग्यता के अनुसार सही स्ट्रीम चुनने तथा मेडिकल व अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों (कोर्स) के चयन पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया। इसके साथ ही मीडिया और जनसंचार के क्षेत्र में उभरते हुए करियर विकल्पों की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम के दौरान विषय विशेषज्ञों और शिक्षकों ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। मार्गदर्शन देने वालों में उच्च माध्यमिक शिक्षक हरीश परिहार, अनिल जैन, अमजद वारसी और करियर काउंसलिंग प्रभारी सुरभि शर्मा शामिल रहे।

वरिष्ठ अधिवक्ता कांतिलाल राठौर को मिला मध्यप्रदेश गौरव सम्मान



मंदसौर। विधिक क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं, निर्भीक न्याय प्रणाली और समाज सेवा के लिए मंदसौर के वरिष्ठ अधिवक्ता व पूर्व लोक अभियोजक साहू कांतिलाल राठौर को प्रतिष्ठित मध्यप्रदेश गौरव सम्मान से अलंकृत किया गया है। प्रेस क्लब वेलफेयर वर्ल्ड वाइड फाउंडेशन नई दिल्ली द्वारा भोपाल के सरदार वल्लभभाई पटेल पॉलिटेक्निक कॉलेज सभागार में आयोजित भारत अवार्ड समारोह-2026 के दौरान यह सम्मान प्रदान किया गया। सम्मान-प्रेरणा-परिवर्तन थीम पर आयोजित इस राज्य स्तरीय समारोह में मध्य प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सुभाष चंद्र त्रिपाठी ने श्री राठौर को उनकी निष्ठावान जनसेवा और विधिक योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया।

श्री पोरवाल कुटुंब सहायक संस्था की कमान रमेशचंद्र सेठिया के हाथों में

मंदसौर। श्री पोरवाल कुटुंब सहायक संस्था मंदसौर की एक

महत्वपूर्ण बैठक रविवार को संस्था कार्यालय में संपन्न हुई, जिसमें संस्था के सुचारू संचालन और सामाजिक हित के कार्यों को गति देने पर गहन विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान निवर्तमान अध्यक्ष शंकरलाल गुप्ता (भानपुरा) ने संस्था संचालन में आ रही व्यावहारिक समस्याओं को सदन के सामने रखते हुए अध्यक्ष पद से असमर्थता व्यक्त की। इसके पश्चात कार्यकारिणी सदस्यों ने सर्वसम्मति से पूर्व अध्यक्ष रमेशचंद्र सेठिया के अनुभवों को देखते हुए उन्हें पुनः अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया। बैठक में सर्वसम्मति से श्री रामगोपाल महाजन को मानसेवी सचिव का दायित्व सौंपा गया। इसके साथ ही प्रांतीय स्तर पर संस्था के विस्तार और सभी क्षेत्रों के प्रतिनिधित्व के लिए विभिन्न शहरों से गणमान्य सदस्यों को कार्यकारिणी में स्थान दिया। संस्था के कार्यालय सचिव के रूप में गोविंद मांदलिया की नियुक्ति की गई। इस दौरान कार्यकारिणी ने समाज हित से जुड़े 70 सहायता प्रकरणों पर उनके भुगतान की स्वीकृति प्रदान की।

जादूगर ढोंदूराम ने स्कूली बच्चों को नशा मुक्ति के प्रति किया जागरूक

नीमच। स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत ग्राम सरवानिया महाराज स्थित शासकीय माध्यमिक विद्यालय परिसर में तारापुर निवासी प्रसिद्ध जादूगर ढोंदूराम ने उपस्थित स्कूली बच्चों को अपनी कला और विचारों के माध्यम से समाज में व्याप्त कुरीतियों के खिलाफ जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान जादूगर ढोंदूराम ने अपनी बेहतरीन मोनो एक्टिंग (एकपात्रीय अभिनय) के माध्यम से बच्चों को स्वच्छता, नशामुक्ति एवं अंधविश्वास के प्रति जागरूक कर शिक्षा का महत्व समझाया। इस अवसर पर उन्होंने स्कूली बच्चों से अपील की कि वे अपने आस-पड़ोस को साफ-सुथरा रखें, क्योंकि स्वच्छता ही स्वस्थ जीवन का आधार है। इसके साथ ही उन्होंने समाज में फैली विभिन्न सामाजिक और धार्मिक कुरीतियों को दूर कर एक जागरूक और सभ्य समाज के निर्माण में सहयोग देने का संकल्प दिलाया।

भारतीय संस्कृति ज्ञान

परीक्षा सम्पन्न
महिदपुर। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वाधान में प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी उज्जैन जिले के महिदपुर तहसील में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया गया दिनांक 3 अक्टूबर को लगभग 50 विद्यालय में 1940 विद्यार्थियों पंजीयन करवाया था जिसमें से 1900 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा में बढ़-चढ़ कर भाग लिया। सभी संस्था के प्राचार्य एवं प्रधानाध्यापक एवं शिक्षक साथियों का सहयोग सराहनीय रहा। साथ ही गायत्री परिवार के परिजन सुभाष जी दुबे मनोज कुमार शर्मा बालमुकुंद सोनगरा घनश्याम शर्मा प्रदीप कुमार समाधिया रामगोपाल जोशी हेमचंद शर्मा बंशीलाल शर्मा का विशेष सहयोग रहा।

एसडीओपी जेडेन लिंगजर्पा का ग्वालियर तबादला

महिदपुर। महिदपुर में 14 माह तक एसडीओपी के पद पर कार्यरत रहे जेडेन लिंगजर्पा (आईपीएस 2023) का तबादला अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्वालियर के पद पर किया गया है। उनके तबादले की खबर के बाद महिदपुरवासियों एवं पुलिस विभाग से जुड़े लोगों ने उन्हें विदाई दी। महिदपुर में अपने 14 माह के कार्यकाल के दौरान जेडेन लिंगजर्पा ने पूरी निष्ठा एवं कर्तव्यपरायणता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया। उनके कार्यकाल को लेकर स्थानीय लोगों ने कहा कि उन्होंने पुलिस अधिकारी के रूप में अपने कार्य को देशभक्ति और सेवा भावना के साथ पूरी जिम्मेदारी से निभाया।

पति-पत्नी के विवाद में युवक ने खाया जहरीला पदार्थ

सारंगपुर। सारंगपुर में पति-पत्नी के विवाद के बाद रविवार दोपहर करीब 1:45 पति ने बस स्टैंड के पास जहरीला पदार्थ खा लिया। ईचीवाडा निवासी मनीष अहिरवार पिता कालूराम (28) अपने गांव से सारंगपुर आया था। मोबाइल पर पत्नी से बात के दौरान कहासुनी हुई। पत्नी ने यह कदम उठाया। जहर खाने के बाद मनीष पास के एक पेड़ के नीचे उल्टियां करने लगा। परिजनों के पूछने पर उसने जहरीला पदार्थ खाने और पत्नी से विवाद की बात बताई। घटनास्थल के पास मौजूद कांग्रेस के पूर्व विधायक कृष्ण मोहन मालवीय ने युवक को देखा। हालत गंभीर होने पर उसे बेहतर इलाज के लिए शाजापुर रेफर कर दिया गया।

श्री कालिका माता नवरात्रि मेला 11 अक्टूबर से

बड़नगर। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी नगर पालिका परिषद बड़नगर द्वारा श्री कालिका माता नवरात्री मेले 2026 का आयोजन 11 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक कालिका माता मंदिर कालिका प्रांगण पर किया जावेगा। कालिका माता नवरात्रि मेला हेतु नगर पालिका अध्यक्ष अभय टोंग्या द्वारा मेला समिति का गठन किया गया। जिसमें पण्डित नर्मदा राजेश परमार को श्री कालिका माता नवरात्री मेले 2026 का अध्यक्ष नियुक्त कर निम्नांकित समितियों का गठन किया गया। जिसमें नेहा शांतिलाल गोखरू को सांस्कृतिक समिति प्रभारी, लक्ष्मीबाई लालबहादुर बादशाह को खेलकूद समिति का प्रभारी, अजय दौराया को व्यवस्था समिति का प्रभारी, राकेश भूरिया को विद्युत साज सज्जा का प्रभारी नियुक्त किया गया एवं संजय श्रीवास्तव, शैलेन्द्रसिंह गोसर, राजेश आचार्य, सुरेश कुशवाह को समितियों का सचिव नियुक्त किया गया। एम.आर.निंगवाल मेला अधिकारी एवं रवि पांचाल सहायक मेला अधिकारी होंगे । कार्यक्रमों के साथ आकर्षक विद्युत साज-सज्जा की जावेगी।

धार्मिक यात्रा से वापस लौटने पर किया स्वागत

महिदपुर रोड। नगर पोerवाल समाज के राम भरोसे पोर वाल तथा अनिल भैसोटा ने नागदा शहर के युवा समाजसेवी राजेश पोerवाल मनीष पोerवाल पंकज पोerवा ल व इन तीनों की धर्मपत्नी अनिता पोerवाल भावना पोर वाल कविता पोerवाल की 14 दिन की जगन्नाथपुरी की धार्मिक यात्रा पूरी कर लौटने पर स्वागत किया इस दौरान राजेश पोerवाल ,मनीष पोerवाल तथा पंकज पोerवाल ने कहा धार्मिक यात्रा करने से व्यक्ति में धार्मिक भावना का उदय होता है तथा जीवन में संतोष एवं सुख समृद्धि प्राप्त होती है।

सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान मालवा प्रांत द्वारा

विद्या मंदिर उमावि में प्रांत स्तरीय विज्ञान मेला एवं वैदिक गणित प्रतियोगिता आयोजित

दैनिक अवन्तिका ➤ बड़ौद

स्थानीय सरस्वती विद्या मन्दिर उ.मा.वि. बड़ौद में सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान मालवा प्रांत की योजनानुसार प्रांत स्तरीय विज्ञान मेला एवं वैदिक गणित प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 03 अक्टूबर शनिवार से 04 अक्टूमबर रविवार तक किया गया।

इस प्रतियोगिता में सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान मालवा प्रांत के शाजापुर , खण्डवा , खरगोन , इन्दौर , धार , मंदसौर , उज्जैन विभाग के सरस्वती शिशु विद्या मंदिरों से 412 छात्र/छात्राएं , संरक्षक आचार्य/दीदी एवं निणायक शिक्षकों ने सहभागिता की। प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता के समापन सत्र का शुभारंभ माॅ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया

गया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ.साधना भंवरा (सेवानिवृत्त प्राचार्य डाईट एवं प्रांतीय प्रतियोगिता प्रांत संरक्षक) , अध्यक्षता भागीराम यादव (पूर्व प्राचार्य , प्रांत समिति सदस्य एवं गणित मेले के संरक्षक) , विशेष अतिथि राघवेन्द्र देराश्री (विभाग समन्वय , विभाग मंदसौर एवं विज्ञान एवं गणित मेॅला मध्यक्षेत्र सहसंयोजक) , मिलिंद बाउसकर (वैदिक गणित प्रांत संयोजक) , नारायणसिंह मल्हावदिया (संस्था प्राचार्य एवं प्रतियोगिता महाप्रबंधक) एवं प्रदीप जैन (वैदिक गणित सह संयोजक मालवा प्रांत) रहें। अतिथि परिचय राजपालसिंह सिसोदिया ने कराया।

अतिथि स्वागत विपीन दुबे , लोकेन्द्रसिंह यादव एवं पल्लवी भट्नागर ने किया। पश्चात विज्ञान मध्यक्षेत्र सहसंयोजक राघवेन्द्र



देराश्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्या भारती प्रति वर्ष 4 प्रकार की अखिल भारतीय प्रतियोगिता सम्पन्न करवाती हैं। जिसमें विज्ञान एवं गणित मेला एक प्रकार की प्रतियोगिता है जिसमें विविध विषय है। विद्या भारती का इस प्रकार की प्रतियोगिता के आयोजन के पीछे उद्देश्य है कि अधिक से अधिक संख्या में बाल वैज्ञानिको को तराशना है जो आगे चलकर

देशहित में अपनी महत्वपुर्ण भुमिका का निर्वहन करेंगे।

इस प्रतियोगिता में जिन छात्र/छात्राएं ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है वह विद्या भारती मालवा प्रांत का प्रतिनिधित्व क्षेत्र स्तरीय प्रतियोगिता में करेंगे एव कहा की शेष छात्र/छात्राएं असफल नही हुए उन्हे एक अवसर और मिला है अपनी कलाों का प्रदर्शन करने में हम ऐसा विचार करें। पश्चात विजेता , उपविजेता

त्योहारों के मद्देनजर व्यापारियों को 4 लाख रुपए की चिल्लर वितरित

दैनिक अवन्तिका ➤ नागदा

त्योहारों के दौरान बाजार में खुले पैसों की उपलब्धता बनाए रखने के उद्देश्य से व्यापारी महासंघ की अगुवाई में भारतीय स्टेट बैंक के सहयोग से शनिवार को व्यापारियों को करीब 4 लाख रुपए की चिल्लर वितरित की गई। महिदपुर रोड स्थित व्यापारी महासंघ अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल के प्रतिष्ठान पर शाम 5 बजे चिल्लर वितरण किया गया।

व्यापारी महासंघ अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल ने बताया कि व्यापारी संघ द्वारा प्रतिवर्ष त्योहारों के पूर्व व्यापारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए खुले पैसे उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाता है। इस वर्ष भी 100 से अधिक व्यापारियों को उनकी आवश्यकता के अनुसार करीब 3 हजार से 5 हजार रुपए

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर हंसवाहिनी शिक्षा समिति के पदाधिकारी विजय कुमार जैन , अशोक कुमार तरसिंग , मुकेशकुमार तरवेचा, अशोककुमार कुण्डल बोहरा, विनोदकुमार मोदी, बिरदीचंद जैन , वैजयन्त कुमार जैन, प्रकाश कुमावत, भगवतस्वरुप शर्मा , शेरुसिंह राजपूत पत्रकार साथी नटवरसिंह राजपूत , जगदीश भावसार एवं समस्त आचार्य/दीदी परिवार उपस्थित रहा। समापन सत्र का संचालन रेणुका शेर ने किया एवं आभार मिलिंद बाउसकर वैदिक गणित प्रांत संयोजक ने माना।

छात्र/छात्राएं को प्रमाण पत्र एवं शिल्ड देकर सम्मानित किया गया एवं प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर आए विद्यालय का सम्मान उनके संरक्षक आचार्य/दीदी को शिल्ड देकर किया गया।

क के सिक्के उपलब्ध कराए गए। इनमें 5, 10 और 20 रुपए के सिक्के शामिल रहे।

चिल्लर वितरण में भारतीय स्टेट बैंक के शाखा प्रबंधक आशीष सक्सेना एवं रोकड़ अधिकारी राहुल सुनहरे का विशेष सहयोग रहा। व्यापारियों ने खुले पैसों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए व्यापारी महासंघ एवं बैंक का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर डिस्पोजल संघ अध्यक्ष बृज टॉक, मेडिकल एसोसिएशन अध्यक्ष अंकित सेंठिया, पूर्व नागदा व्यापारी संघ सचिव दिलीप सिंह सोनगरा एवं पूर्व कोषाध्यक्ष रसमन जैन सहित व्यापारी महासंघ के पदाधिकारी एवं व्यापारी मौजूद रहे। महासंघ ने बताया कि आगे भी चिल्लर उपलब्ध होने पर व्यापारियों को वितरित की जाएगी।



नशा न करेंगे, न करने देंगे की शपथ दिलाई,

विद्यालय परिसर घोषित हुआ नशा-तंबाकू मुक्त सुसनेर। राज्य शासन के निदेशानुसार महात्मा गांधी की 157वीं जयंती के अवसर पर 2 से 8 अक्टूबर तक आयोजित मद्य निषेध सप्ताह के तहत शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय खेरिया सुसनेर में नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। भारत स्काउट एवं गाइड तथा यूनिसेफ के संयुक्त तत्वावधान में संचालित प्रोजेक्ट यूथ फॉर चेंज के बैनर तले मिशन लाइफ के अंतर्गत स्वस्थ जीवन शैली को लेकर विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। संस्था प्रभारी भैरूलाल ओसारा के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों एवं मादक पदार्थों के सेवन से होने वाली गंभीर बीमारियों के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान संस्था प्रभारी ने छात्र-छात्राओं को रनशा न करेंगे, न करने देंगेह की सामूहिक शपथ दिलाई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशामुक्ति का संदेश अपने घर एवं आसपास के लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही विद्यालय परिसर को नशा एवं तंबाकू मुक्त शिक्षण क्षेत्र घोषित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षक भूपेंद्र सिंह झाला, कैलाशचंद्र दांगी, तिलोकचंद पाटीदार, राकेश पाटीदार, रमेशचंद्र दांगी, शिक्षिका चंचल जैन सहित विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

श्राद्ध पक्ष के अवसर पर भव्य पितृ तर्पण एवं जलाजंली कार्यक्रम संपन्न



तराना नगर में पितृपक्ष के अवसर पर सर्व हिंदू समाज सनातन भाइयों के द्वारा एक शिवलिंग रोज अभिषेक मंडली के तत्वावधान में एवं महंत मोहन भारती गिरी महाराज अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष जुना अखाड़ा के सानिध्य में एवं पंडित राजेश शर्मा गुरुजी के मार्गदर्शन में तराना नगर में श्री तिलभांडेश्वर महादेव मंदिर परिसर में तराना नगर के सर्व हिंदू समाज के भाईयों द्वारा भव्य पितृ तर्पण का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें तराना नगर के सभी समाज के सनातनी भाई ने मिलकर अपने पूर्वजों को जलांजलि तर्पण कार्य करके श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम पंडित नीरज रावल एवं पंडित अवंती पंडु्या आचार्यत्व में वेदोक्त मंत्रों के द्वारा संपन्न हुआ। कार्यक्रम का सफल संचालन तराना नगर के वरिष्ठ समाज सेवी ललित सोमानी के द्वारा किया गया। यह जानकारी एक शिवलिंग रोज अभिषेक मंडली के प्रमुख सदस्य दिनेश शर्मा द्वारा दी गई।

जन शिक्षक शर्मा को दी विदाई



बड़ौद। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुदवास में राज्य शिक्षा केन्द्र के द्वारा जन शिक्षक एवं ब्लॉक असिस्टेंट कोऑर्डिनेटर के पदों की पूर्ति की गई 'जिसमें शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जन शिक्षा केंद्र सुदवास के अंतर्गत पूर्व से कार्यरत अशोक शर्मा जन शिक्षक का पदपूर्ति के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पिपलोन केंद्र पर पद स्थापना की गई। शर्मा पूर्व में सुदवास उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में जन शिक्षक के रूप में पदस्थ होकर अपना कार्य कर रहे थे 'शर्मा की कार्य प्रणाली बहुत ही अच्छी एवं सराहनी रही ' आज आपको विद्यालय परिवार की ओर से स्थानांतरण हेतु विदाई दी गई एवं पुष्पमाला साल मय श्रीफल से आपका स्वागत किया गया तथा उज्जलवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दी गई 'इस विदाई समारोह में विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

संजा महोत्सव के अंतर्गत सामाजिक संस्था किला कोट प्रतियोगिता का आयोजन



महिदपुर। संजा महोत्सव के अंतर्गत सर्व प्रयास सामाजिक संस्था महिदपुर द्वारा किला कोट प्रतियोगिता का आयोजन कस्तूरबा गांधी छात्रावास में रखा गया जिसमें 10 से 15 बालिकाओं ने भाग लिया और गाय के गोबर से किला कोट का गाय के गोबर से सुंदर-सुंदर आकृतियां निर्मित की। शाखा प्रमुख सोनू रोहिणी मेहता, सह प्रमुख नीतू जैन , कोषाध्यक्ष सरिता कालरा, सदस्य उषा खंडूजा एवं रेखा व्यास एवं छात्रावास प्रभारी मंजू जैन की उपस्थिति में कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। किला कोट प्रतियोगिता के निर्णय के रूप में श्रीमती प्रभा शर्मा एवं श्रीमती कविता जलांद्रा द्वारा बालिकाओं को प्रथम द्वितीय तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया । प्रथम स्थान कुमकुम, प्रियंका , गौरी, आरती और जिया, द्वितीय स्थान रेशम, कविता, दिव्यांशी, गौरी, खुशबू, तृतीय स्थान चंचल, शिवानी और बसकन्या ने प्राप्त किया। कार्यकारिणी प्रमुख राजनी गुलराटी द्वारा बताया गया कि संजा माता की लोक कला वर्तमान में विलुप्त हो चुकी है इसको जीवत करने के प्रयास किए जाने चाहिए क्योंकि संजा माता हमें प्रकृति से जुड़े रहने का संदेश देती है एवं लोकगीतों में कही ना कही प्रकृति से जुड़े होने एवं आपके संबंधों की मिठास के संदेश छुपे हैं इसलिए इस लोक कला को हमें भूलना नहीं चाहिए और अधिक से अधिक इसका प्रचार प्रसार करना चाहिए।



दैनिक अवन्तिका ➤ बड़नगर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश शासन द्वारा सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत सेवा सेतु अभियान सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन नगर पालिका परिषद बड़नगर के सौजन्य से स्थानीय इन्द्रप्रस्थ गार्डन में महेन्द्रसिंह यादव प्रशासक अपेक्स बैंक के मुख्य आतिथ्य एवं विधायक जितेन्द्र उदयसिंह पण्ड्या की अध्यक्षता तथा रवि सौलंकी अध्यक्ष उज्जैन विकास प्राधिकरण के विशेष आतिथ्य में संपन्न हुआ। सेवा सेतु अभियान शिविर में शासन द्वारा निर्धारित विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं में उपस्थित हितग्राहियों को

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की उज्जैन से अयोध्या पदयात्रा यात्रा 26 को करेंगी प्रवेश, कांग्रेस जनों ने पदयात्रा को लेकर जोश

दैनिक अवन्तिका ➤ सारंगपुर।

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह द्वारा 20 अक्टूबर को उज्जैन से अयोध्या तक निकाली जाने वाली पदयात्रा को लेकर सारंगपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने जोरदार तैयारियां शुरू कर दी हैं। यात्रा को भव्य और सफल बनाने के लिए स्थानीय नेताओं एवं कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अगुवाई ब्लॉक अध्यक्ष दुर्गेश सोमानी, पूर्व विधायक कृष्ण मोहन मालवीय और पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मोहम्मद अली, निजाम कुरैशी ने की। इस दौरान यात्रा के मार्ग, भोजन, विश्राम होना और कार्यकर्ताओं की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने पर विस्तृत चर्चा हुई।

ब्लाक प्रवक्ता लखन धंगगर ने बताया कि राजा की यह पदयात्रा धार्मिक आस्था, आपसी सौहार्द और जन-जागरण का संदेश लेकर निकल रही है। इसे लेकर मालवा-राजगढ़ क्षेत्र सहित पूरे सारंगपुर के

जगह-जगह होगा स्वागत

बैठक में अलरजा कुरैशी, गौरव शर्मा, अभिजीत नाहर, लोकेश पुष्पाद, नरेंद्र ठाकुर, आनन्द पाल, मुस्ताक अंसारी, पवन राज एवं गब्बु पजन सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी नेताओं ने संकल्प लिया कि सारंगपुर क्षेत्र से ऐतिहासिक संख्या में कार्यकर्ता इस पदयात्रा में शामिल होंगे और यात्रा का जगह-जगह भव्य स्वागत करेंगे।

कांग्रेसजनों और युवाओं में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। श्रीधरनगर ने बताया कि श्रीसिंह की यात्रा 26 अक्टूबर को सारंगपुर में प्रवेश करेगी। रात्रि विश्राम सारंगपुर में होगा, जिसके बाद वह अगले दिन 27 अक्टूबर को धमोरा में थोड़ी देर दोपहर के समय विश्राम होगा और फिर ग्राम गुलावता पहुंचकर रात्रि विश्राम किया जाएगा। 28 अक्टूबर की सुबह सारंगपुर विस क्षेत्र से राजगढ़ विस के लिए यात्रा प्रस्थान करेगी। इस दौरान संगठन को बेहतर ढंग से ब्लाक स्तर पर संचालित करने पर दुर्गेश सोमानी का नेता एवं कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

दो बार नेशनल खेल चुकी वैष्णवी जाधव का 26 वर्ष की उम्र में निधन

■ एक दिन पहले की थी शादी की खरीदी, अगले ही दिन थम गई सांसें

दैनिक अवन्तिका ➤ सारंगपुर।

जिस घर में कुछ ही दिनों बाद शहनाइयां गुंजने वाली थीं, जहां बेटी की शादी को लेकर खुशियों और तैयारियों का माहौल था, वहां अचानक मातम पसर गया। दो बार नेशनल स्तर पर खेल चुकी 26 वर्षीय वैष्णवी (तनु) जाधव का हृदय गति रुकने से निधन हो गया। वैष्णवी को उस समय मौत की खबर से परिजनों सहित पूरे नगर में शोक की लहर दौड़ गई।

स्वर्गीय प्रकाशचंद्र जाधव की पोती और लोकेश जाधव की बड़ी बेटी वैष्णवी की शादी तीन महीने बाद तय थी। परिवार बेटी की शादी को यादगार बनाने की तैयारियों में जुटा था। नियति का क्रूर खेल देखिए, जिस बेटी ने एक दिन पहले ही अपनी शादी के लिए खरीदारी की थी, उसी के अगले दिन घर से उसकी अर्धी उठी। जिस घर में बेटी के दुल्हन बनने के सपने संजोए जा रहे थे, वहां अचानक उसकी विदाई का ऐसा मंजर सामने आया, जिसने हर आंख को नम कर दिया।

एक मां के लिए अपनी बेटी को दुल्हन बनते देखना जीवन के सबसे खूबसूरत सपनों में से एक



होता है। वैष्णवी की मां भी बेटी की शादी को लेकर न जाने कितने सपने संजोए बेठी होंगी। शादी की खरीदारी, तैयारियां और घर में आने वाली खुशियों की कल्पना के बीच उन्हें क्या पता था कि जिस बेटी को कुछ महीनों बाद दुल्हन बनाकर विदा करना

था, उसे इस तरह हमेशा के लिए खोना पड़ेगा। बेटी के निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। मां और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। जिस घर में शादी की बातें हो रही थीं, वहां अब बेटी की यादें और परिजनों की सिसकियां रह गईं। वैष्णवी की असमय विदाई ने परिवार के उन सपनों को भी अधूरा छोड़ दिया, जिन्हें पूरा करने की तैयारियां चल रही थीं। वैष्णवी दो बहनों में बड़ी थी। राष्ट्रीय स्तर पर दो बार खेल चुकी वैष्णवी ने अपनी प्रतिभा से परिवार का नाम रोशन किया था। इतनी कम उम्र में उसका यूं चले जाना परिवार के साथ उन लोगों

जनप्रतिनिधियों ने दी श्रद्धांजलि

वैष्णवी की अंतिम यात्रा उनके निवास सुदर्शन नगर से निकाली गई। पिता लोकेश जाधव ने मुखामिंद देकर अंतिम विदाई दी। शव यात्रा में नपाध्यक्ष पंकज पालीवाल, दर्जी समाज राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित चौहान, हिउस अध्यक्ष डा. ध्रुव भल्ला, अभिभाषक सुंघ अध्यक्ष पीरस मंडलौर, मुक्ति धाम समिति अध्यक्ष अनिल बारडिया, दिनेश सिसोदिया, अमित सक्सेना सहित जनप्रतिनिधियों और परिचितों ने शामिल होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी।

के लिए भी गहरा आघात है, जो उसे जानते थे।

